RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

12 वर्ष

# दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ●29 अगस्त , 2024 वर्षः-12 अंक-120 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

## राजधानी में डेंगू के 8 महीने में 141 केस

**भोपाल।** पिछले 8 महीने में भोपाल में डेंगू के 141 केस सामने आ चुके हैं। बुधवार को कमिश्नर संजीव सिंह की समीक्षा मीटिंग में ये आंकड़े सामने आए हैं। कमिश्नर सिंह ने डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों को रोकने के लिए जलभराव रोकने, दवा का छिड़काव करने को कहा। नक्शा अपडेटेशन में भोपाल के गोविंदपुरा तहसीलदार पर कमिश्नर नाराज भी हो गए। धीमी गति होने पर नाराजगी सामने आई। कमिश्नर सिंह ने राजस्व महाअभियान 2.0 की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भोपाल में राजस्व महाअभियान 2.0 के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। नामांतरण, बंटवारा और अभिलेख दुरुस्ती में जिले में शत-प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण किया गया है, लेकिन यह प्रक्रिया सिर्फ अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। राजस्व प्रकरणों का निराकरण राजस्व अधिकारियों का मूल कर्तव्य है, इसे वे निरंतर जारी रखें। वे कार्य में आने वाली चुनौतियों को चिन्हांकित करें और उसका समाधान निकालें। उन्होंने

### समीक्षा में सामने आए आंकड़े, नक्शा अपडेटेशन में तहसीलदार पर कमिश्नर की नाराजगी

नक्शा अपडेटेशन और ई-केवायसी में काम में तेजी लानू को कहा। हर राजस्व प्रकरण को आरसीएमएस पर दर्ज किए जाने और नामांतरण के बाद प्रकरण वेब जीआईएस पोर्टल पर दर्ज किए जाने को भी कहा। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह भी मीटिंग में मौजूद थे। कमिश्नर सिंह ने स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों की रोकथाम और अच्छे इलाज के संबंध में भी कहा। मंकी पॉक्स, स्वाइन फ्लू, डायरिया, गैस्ट्रोएनट्राइटिस, मलेरिया, चिकन गुनिया, डेंगू आदि बीमारियों की स्थिति की समीक्षा की गई। मंकी पॉक्स का प्रदेश में अभी तक कोई प्रकरण नहीं है। इसकी जांच की सुविधा एनआईवी पुणे में उपलब्ध है। स्वाइन फ्लू के 24 सैंपल जांच के लिए एम्स भोपाल और गांधी मेडिकल कालेज भोपाल में भिजवाए गए हैं।

## रेरा चेयरमैन अजीत प्रकाश श्रीवास्तव विवादों के घेरे में : ईओडब्ल्यू ने पद के दुरुपयोग के आरोप में दर्ज की प्राथमिकी

**भोपाल।** मध्यप्रदेश की रियल स्टेट रेग्युलेटरी अथॉरिटी यानी रेरा के चेयरमैन व पूर्व आईएएस अधिकारी एपी श्रीवास्तव विवादों में घिर गए हैं। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो यानी ईओडब्ल्यू ने बुधवार, 28 अगस्त को उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। उन पर पद के दुरुपयोग का आरोप है। ईओडब्ल्यू एसपी राजेश मिश्रा ने इसकी पुष्टि की है।

### ईओडब्ल्यू ने दर्ज की प्राथमिकी

दरअसल, पिछले कुछ समय से रेरा चेयरमैन व पूर्व आईएएस अधिकारी श्रीवास्तव चर्चा में बने हुए हैं। अब प्रभाष जेटली की शिकायत पर ईओडब्ल्यू ने प्राथमिकी दर्ज की है। उन पर रेरा में हुई नियुक्तियों में गड़बड़ी करने का आरोप है। साथ ही आकृति बिल्डर्स के मामलों को रद्द करने पर सवाल खड़े हुए हैं। हालांकि अभी ये आरोप हैं। इसी आधार पर ईओडब्ल्यू ने प्राथमिकी दर्ज की है। जांच के बाद आरोपों की सच्चाई सामने आ सकेगी। एपी श्रीवास्तव के खिलाफ प्रभाष जेटली ने शिकायत की है। इसमें उन्होंने मिश्रा पर रेरा में नियुक्तियों में गड़बड़ी के साथ आकृति ग्रुप के बिल्डर के खिलाफ चल रही जांच के बीच उससे आवासीय भूखंड खरीदने का आरोप लगाया है।

### आकृति वाला मामला समझ लीजिए

आरोप है कि आकृति डेवलिंक्स प्राइवेट लिमिटेड के आकृति गार्डन्स प्रोजेक्ट में एपी श्रीवास्तव और उनकी पत्नी नीति श्रीवास्तव द्वारा आवासीय भूखण्ड नं. बी-168 लिया गया। इसके साथ रेरा अध्यक्ष की हैसियत से श्रीवास्तव ने आकृति डेवलिंक्स के सभी प्रोजेक्ट को रद्ध कर दिया, जबकि न्यायिक प्रक्रिया की सूचिता को देखते हुए श्रीवास्तव को आकृति डेवलिंक्स के प्रोजेक्ट को रेरा अध्यक्ष की हैसियत से सुनवाई नहीं करनी थी।

### इधर बिना विज्ञापन निकाले भर्ती करने का आरोप

शिकायत के अनुसार रेरा में कई पदों पर भर्ती की गई हैं। इसमें एक न्याय निर्णय अधिकारी के स्वीकृत दो पदों में से एक पद का विज्ञापन निकाला गया, जबकि एक पद को बिना विज्ञापन के भर दिया गया। वहीं, संविदा नियुक्ति के अनुसार 65 वर्ष से अधिक उम्र के ऊपर भर्ती नहीं की जा सकती। इसके उलट मिश्रा ने नियमों के विरुद्ध जाकर 65 वर्ष से अधिक उम्र पर भी नियुक्त कर दी।

## पानी-पानी हुआ गुजरात, हर ओर सिर्फ हाहाकार

**18 जिलों में बाढ़, 15 लोगों की जान गई, सेना तैनात**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** गुजरात के 13 जिलों में पिछले 24 घंटे में 200 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। 18 जिलों में बाढ़ के हालात हैं, 5 जिलों राजकोट, आणंद, मोरबी, खेड़ा, वडोदरा और द्वारका में सेना को तैनात किया गया है। गुजरात में बाढ़-बारिश के चलते पिछले 3 दिनों में 15 लोगों की मौत हो गई। 23 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया है। 50 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। अहमदाबाद, राजकोट, बोटाद, आणंद, खेड़ा, महिसागर, कराच और मोरबी में प्राइमरी-सेकेंडरी स्कूलों और कॉलेजों की छुट्टी कर दी है। बुधवार और गुरुवार को सौराष्ट्र और कच्छ में बेहद भारी बारिश का अनुमान है। उत्तर प्रदेश में भी लखनऊ-आगरा समेत 10 जिलों में बारिश हो रही है। वाराणसी में इतनी बारिश हुई कि सड़कों पर खड़ी गाड़ियां

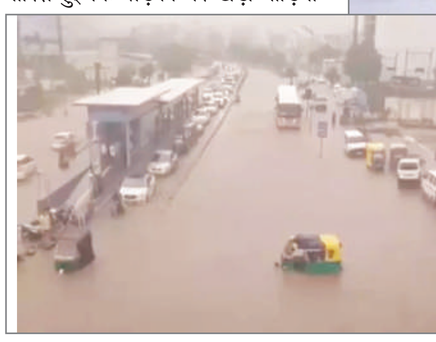

डूब गईं। पिछले 24 घंटे में 40 जिलों में 4.7 मिमी बारिश हुई है। बलिया में सरयू नदी खतरे के निशान से 1 मीटर ऊपर बह रही है। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक गुजरात में बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। कच्छ, सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में सालाना औसत बारिश का आंकड़ा 100 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है। राज्य के 76 बांध और तालाब 100 फीसदी भरे हुए हैं। आईएमडी ने बताया है कि सौराष्ट्र-कच्छ में 2 दिन तक बारिश का रेड अलर्ट है। इसके अलावा अन्य जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### नारायण राणे और आदित्य ठाकरे के समर्थकों के बीच झड़प

- दोनों एक साथ सिंधुदुर्ग के राजकोट किला पहुंचे, 2 दिन पहले शिवाजी की प्रतिमा गिरी थी

**सिंधुदुर्ग (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में राजकोट किले में 2 दिन पहले गिरी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा को लेकर राजनीतिक घटनाक्रम तेज हो गए हैं। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और भाजपा सांसद नारायण राणे अपने-अपने समर्थकों के साथ एक ही समय पर राजकोट के किले (जहां शिवाजी की प्रतिमा थी) पहुंचे। यहां दोनों के समर्थक आपस में भिड़ गए। बुधवार सुबह आदित्य ठाकरे किले

में अपने समर्थकों के साथ चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान नारायण राणे अपने बेटे निलेश राणे और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ राजकोट किला पहुंचे। यहां तैनात पुलिस अधिकारियों से उनकी बहस होने लगी। इसके बाद ठाकरे समर्थकों से राणे के समर्थक भिड़ गए। दोनों के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहले ठाकरे कि खिलाफ नारेबाजी की थी, जिससे ठाकरे के समर्थक भड़क गए। घटना के बाद ठाकरे ने कहा- यहां जो हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण था। शिवाजी महाराज के किले पर राजनीति नहीं करनी चाहिए थी। शिवाजी महाराज की प्रतिमा 26 अगस्त को दोपहर 1 बजे गिरी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 दिसंबर, 2023 को नेवी डे पर इसका उद्घाटन किया था।

### पंजाब सरकार ने एसटीएफ को अपग्रेड कर एएनटीएफ बनाई

नशे के खिलाफ ऐक्शन की तैयारी, चैटबोट के साथ नया नंबर जारी, 12 करोड़ खर्च

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** पंजाब सरकार नशा तस्करों के खिलाफ आज से अपनी लड़ाई को और मजबूत करने जा रही है। सरकार ने अब नशा तस्करों पर कार्रवाई के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) गठित की है। यह पहले से ही काम रही रही स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को अपडेट कर बनाई गई है। सीएम भगवंत मान ने इसका शुभारंभ किया। वहीं, नशा तस्करों के बारे में सूचना देने या कोई जानकारी देने के लिए चैट बोट नंबर जारी किया गया है। इसके लिए लोगों को 9779100200 पर कॉल करनी होगी। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। मैसेज का जवाब भी मिलेगा। साथ ही कार्रवाई होने की सूचना भी दी जाएगी। पुलिस की तरफ से मोहाली में टास्क फोर्स इंटेलीजेंस एवं टेक्निकल यूनिट स्थापित की गई है। यहां माहिरों की स्पेशल टीम तैनात है, जो कि वॉट्सऐप से लेकर जिन भी तकनीकों का प्रयोग तस्कर आजकल कर रहे हैं, उन पर नजर रखी जा सके। इसके अलावा जो भी जानकारी टीमों को मिलती है, उसे तुरंत टीमों के साथ शेयर किया जाएगा। इसके पीछे कोशिश यही है कि पंजाब को नशा मुक्त हो।

## कांग्रेस के आंदोलन में विभा पटेल को आए चक्कर

राजभवन जा रही कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका, महिलाओं ने नारेबाजी की

**भोपाल।** कांग्रेस के नारी न्याय आंदोलन का दूसरा चरण बुधवार को भोपाल से शुरू हुआ। महिला कांग्रेस की सदस्यों ने भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर धरना-प्रदर्शन किया। इसमें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल शामिल हुईं। यहां से कार्यकर्ता राजभवन के लिए रवाना हुईं, लेकिन पुलिस ने उन्हें पहले ही रोक लिया। इस पर महिला नेताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन के दौरान गर्मी की वजह से विभा पटेल को चक्कर आ गया। वे नीचे बैठ गईं। साथी कार्यकर्ताओं ने उन्हें संभाला। सभा को संबोधित करते हुए विभा पटेल ने कहा, महिला अत्याचार में मध्यप्रदेश पहले नंबर पर है। यहां हर दिन रेप की 17 घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए बने कानून को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। अपराधियों में खौफ होना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं होता। पीड़ित को भटकना पड़ता है। आर्थिक, सामाजिक और यौन उत्पीड़न, महिला आरक्षण, जातिगत जनगणना, बेलगाम महंगाई, चौपट स्वास्थ्य व्यवस्था जैसे कई मुद्दे हैं। हम यह भी चाहते हैं कि लाड़ली बहनों की लिस्ट से काटे गए नाम वापस जोड़े जाएं।

## गुना-ग्वालियर में अडाणी समूह करेगा 3500 करोड़ का निवेश

### शिवपुरी में डिफेंस सिस्टम, बदरवास में महिला ऑपरेटेड जैकेट फैक्ट्री; 4 हजार लोगों को रोजगार

**भोपाल।** ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव चल रहा है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्वलित कर कॉन्क्लेव की शुरुआत की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुना-ग्वालियर इलाके में अकेले अडाणी ग्रुप ही साढ़े तीन हजार करोड़ का निवेश कर रहा है। इससे साढ़े चार हजार रोजगार का सृजन होगा। अडाणी ग्रुप के करण अडाणी ने कहा, हम गुना में 2 मिलियन टन सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट और शिवपुरी में डिफेंस सेक्टर में इन्वेस्ट करने जा रहे हैं। इसके साथ ही बदरवास में पूरी तरह से महिला ऑपरेटेड जैकेट फैक्ट्री लगाई जाएगी। ये इन्वेस्टमेंट 3500 करोड़ का होगा। मध्यप्रदेश में 6 महीने में ये तीसरा कॉन्क्लेव है। इससे पहले जुलाई में जबलपुर और फरवरी में उज्जैन में कॉन्क्लेव हो चुके हैं। उज्जैन और जबलपुर के मुकाबले ग्वालियर के रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योगपतियों की दिलचस्पी ज्यादा है। इसकी वजह यह है कि देश के 7 बड़े रोड कॉरिडोर ग्वालियर-चंबल रीजन से होकर या इसके पास से गुजरते हैं। 9 सेक्टर

के इंडस्ट्री प्रमुखों ने ग्वालियर-चंबल रीजन में अपने उद्योग लगाने में दिलचस्पी दिखाई है। गोदरेज कंपनी ग्वालियर में साढ़े 4 सौ करोड़ का इन्वेस्टमेंट करने जा रही है। पर्सनल केयर के बाद अब होम केयर और हेयर केयर में एक्सटेंशन के लिए मालनपुर में नई यूनिट शुरू की गई है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि हमारा देश को राम-कृष्ण का देश है। इनसे सीखना चाहिए की शासन और विकास कैसे किया जाता है। भगवान कृष्ण तो कंस वध के बाद द्वारिकाधीश बने। मुख्यमंत्री ने उज्जैन के राजा विक्रमादित्य के शासन का उदाहरण दिया।

### उद्योग बीमार हो तो सरकार आगे आएः सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर की हुकुमचंद मिल के 7 हजार में से दो मजदूर तो अपने हक के पैसे के इंतजार में मर चुके हैं। सरकार की भी ये कठिनाई होती है। इसलिए हमने इसे उदाहरण मानकर तय किया कि अगर उद्योग बीमार हो गया है तो सरकार उसकी मदद करे। इसलिए हुकुमचंद मिल का केस कोर्ट से वापस लिया और मजदूरों को 2 सौ करोड़ का भुगतान का फैसला लिया। अब मिल की जमीन का बेहतर उपयोग करेंगे। ग्वालियर की जेसी मिल भी जिसकी देनदारी हम करने वाले हैं। कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि ग्वालियर-भिंड-मुरैना की अपनी अलग पहचान है। ग्वालियर जहां ग्वालव ऋषि के नाम से है। वहीं, संगीत सम्राट तानसेन, महारानी लक्ष्मी बाई, राजमाता विजया राजे सिंधिया की वजह से पहचाना जाता है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि गोला का मंदिर इलाके में एक बड़ा अस्पताल होना चाहिए। वहीं, ग्वालियर को काउंटर मैग्नेट सिटी बनना चाहिए। सिंधिया ने कहा कि अगले कुछ महीनों में प्रदेश में 8 नए एयरपोर्ट तैयार हो जाएंगे। यानी प्रदेश में कुल 11 नए एयरपोर्ट हो जाएंगे।

## अब अमेरिकी सेना का 'दिमाग पढ़ेंगे' भारत के कर्नल, हुई डील

रक्षा आपूर्ति पर सोसा और अमेरिकी कमांड में भारतीय अफसर की तैनाती की डील

### अमेरिका के तीन कमांडों में भारतीय सेना के कर्नल रैंक के अफसरों की तैनाती शुरू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हालिया अमेरिकी दौरे में भारत ने रक्षा समझौतों के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम बढ़ा दिया। भारत और अमेरिका के बीच दो प्रमुख समझौते हुए। इनमें एक भारत को अमेरिका की तरफ से रक्षा रसद की आपूर्तियों के लिए की गई डील सोसा (सिक्यॉरिटी ऑफ सप्लाइज अरेंजमेंट्स) है। दूसरी डील के तहत भारत को अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों में लाइजन अफसरों की तैनाती की अनुमति मिल गई है।

### पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे पर बनी थी बात

दरअसल, भारत ने पिछले वर्ष 2023 में ही तीन अमेरिकी कमांनों में अपने लाइजन अफसरों को तैनात कर दिए थे। अब फ्लोरिडा, हवाई और बहरीन के मुख्यालयों वाले अलग-अलग अमेरिकी कमांडों में तीन अन्य अफसरों की तैनाती से भारत-अमेरिका के बीच सैन्य संबंधों को नया मुकाम हासिल होगा। भारत ने जून, 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका के राजकीय दौरे के वक्त इन जगहों पर अपने लाइजन अफसरों की तैनाती पर सैद्धांतिक सहमति दी थी। तब अमेरिकी राष्ट्रपति भवन वाइट हाउस ने अपने बयान में कहा था कि हमारे बीच हुए समझौतों से साफ है कि हम अपनी साझेदारी को लगातार मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं।

## ईसी ने अभी नहीं लिया हरियाणा चुनाव तारीख बदलने पर फैसला

### आयोग का बीजेपी को झटका, पहले कांग्रेस समेत बाकी दलों से भी होगी चर्चा

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख में बदलाव पर अंतिम फैसला आना बाकी है। इस पर फैसला लेने से पहले चुनाव आयोग राज्य की अन्य पार्टियों से भी राय लेने की तैयारी कर रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही वह अन्य राजनीतिक दलों से भी इस मुद्दे पर चर्चा करेगा। भाजपा ने मतदान डेट से पहले और बाद में छुट्टियों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग के समक्ष बदलाव की मांग रखी। भाजपा का तर्क था कि लंबी छुट्टियों के कारण लोग घूमने जा सकते हैं। ऐसे में मतदान प्रतिशत कम हो सकता है। इनेलो ने भी इसका समर्थन किया। आयोग सभी दलों की सहमति होने पर ही कार्यक्रम में बदलाव पर आगे बढ़ेगा। सूत्रों की मानें तो आयोग भी इन दलों से सहमत है, लेकिन वह इस मुद्दे पर राज्य के अन्य दलों की राय भी जानना चाहता है। अगर सभी दल इस पर सहमत होते हैं, तो बदलाव किया जा सकता है। जहां तक कम मतदान का सवाल है, तो इसका असर सभी दलों पर पड़ेगा। 25 अक्टूबर को

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने चुनाव आयोग को लेटर भेजा था। जिसमें उन्होंने लिखा कि 28 और 29 सितंबर को शनिवार-रविवार है। 1 अक्टूबर को वोटिंग होगी, जबकि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और 3 अक्टूबर को अग्रसेन जयंती की छुट्टी है। इतनी लंबी छुट्टियों में वोटर बाहर घूमने निकल जाएंगे। इससे वोटिंग कम हो सकती है। बड़ौली ने लेटर में यह भी बताया कि 2 अक्टूबर को राजस्थान में मुकाम धाम में आसोज का मेला शुरू होगा।

# कांग्रेस के आंदोलन में विभा पटेल को आए चक्कर

## राजभवन जा रही कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका, महिलाओं ने नारेबाजी की

**भोपाल (नप्र)।** कांग्रेस के नारी न्याय आंदोलन का दूसरा चरण बुधवार को भोपाल से शुरू हुआ। महिला कांग्रेस की सदस्यों ने भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर धरना-प्रदर्शन किया। इसमें पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल शामिल हुईं। यहां से कार्यकर्ता राजभवन के लिए रवाना हुईं, लेकिन पुलिस ने उन्हें पहले ही रोक लिया। इस पर महिला नेताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन के दौरान गर्मी की वजह से विभा पटेल को चक्कर आ गया। वे नीचे बैठ गईं। साथी कार्यकर्ताओं ने उन्हें संभाला।

**आरोप लगाया- मध्यप्रदेश महिला अत्याचार में पहले नंबर पर:** सभा को संबोधित करते हुए विभा पटेल

ने कहा, महिला अत्याचार में मध्यप्रदेश पहले नंबर पर है। यहां हर दिन रेप की 17 घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए बने कानून को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है। अपराधियों में खौफ होना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं होता। पीड़ित को भटकना पड़ता है। आर्थिक, सामाजिक और यौन उत्पीड़न, महिला आरक्षण, जातिगत जनगणना, बेलगाम महंगाई, चौपट स्वास्थ्य व्यवस्था जैसे कई मुद्दे हैं। हम यह भी चाहते हैं कि लाड़ली बहनों की लिस्ट से काटे गए नाम वापस जोड़े जाएं।

**आरक्षण मांगा- ये घर चला सकती हैं तो राज्य और देश भी चला सकती हैं:** पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा- महिलाओं को विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए। ये घर चला सकती हैं तो राज्य और देश भी चला सकती हैं। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा बोले कि हमें न्याय के लिए लड़ना है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही थी। अब लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश में किसी महिला को न्याय की सबसे ज्यादा जरूरत है, तो जसोदाबेन को है।

**29 जुलाई से शुरू हुआ था आंदोलन का पहला चरण:** दरअसल, आजादी के दौरान चलाए गए अगस्त क्रांति आंदोलन की तर्ज पर कांग्रेस अगस्त महीने में लगातार आंदोलन और प्रदर्शन कर रही है। इसके तहत नारी न्याय आंदोलन का पहला चरण 29 जुलाई 2024 को दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू किया गया था।

# युवा देश का वर्तमान हैं और कठिन परिश्रम से ही सफलता मिलती है : श्रीमती कृष्णा गौर

**भोपाल (नप्र)।** पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि युवा हमारे देश का वर्तमान हैं। और एक बात सदैव याद रखें कि कठिन परिश्रम से ही सफलता मिलती है, जीवन में सफलता का कोई शॉटकट नहीं होता। राज्यमंत्री श्रीमती गौर बुधवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। श्रीमती गौर ने कहा कि एक अभिभावक के रूप में विश्वविद्यालय के एक-एक बच्चे को विश्वास दिलाना है, भरोसा देना है जिससे वह स्वतंत्रता के साथ यहां रहकर अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने पूरे मध्यप्रदेश के समस्त विश्वविद्यालय में इस प्रकार के दीक्षा समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य है कि हमारे नव प्रवेशित विद्यार्थियों को इस नए वातावरण में अपने आप को समाहित करने का अवसर मिले। विद्यार्थी को एक सकारात्मक वातावरण मिले, जिससे विद्यार्थी जो अपने सपने को लेकर वह यहां आए हैं उसे पूरा कर सके। विश्वविद्यालय परिवार के साथ समन्वय बैठा कर अपने सपने को साकार कर सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हृदय से धन्यवाद करती हूं जिनके निर्णय का उच्च शिक्षा विभाग ने पालन करते हुए हमारे नव प्रवेश विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार का समारोह आयोजित किया है। हमारी यह युवा पीढ़ी, जिसको हम भावी पीढ़ी मानते हैं और हमेशा कहते हैं कि हमारा युवा इस देश का भविष्य है, आप देश का वर्तमान भी है। विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. के.सी. मंसूरी, प्रोफेसर विवेक मिश्रा, विवेक शर्मा, सुश्री अनीता और विश्वविद्यालय परिवार के सभी प्रोफेसर, गणमान्य नागरिक और युवा ऊर्जावान विद्यार्थी उपस्थित थे।

# अगस्त की राशन सामग्री नहीं लेने वाले परिवारों को किये जा रहे एसएमएस

### खाद्य मंत्री श्री राजपूत के निर्देश पर हुई कार्यवाही

**भोपाल (नप्र)।** माह अगस्त-2024 की राशन सामग्री उचित मूल्य दुकानों से अभी तक नहीं लेने वाले परिवारों को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। ऐसे उपभोक्ता अपनी अथवा वन नेशन वन राशन कार्ड के तहत किसी भी उचित मूल्य की दुकान से 31 अगस्त-2024 तक राशन प्राप्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने निर्देशित किया था कि समय पर राशन सामग्री नहीं प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं को एसएमएस के माध्यम से सूचित किया जाए। बुधवार को 13 लाख 33 हजार 542 परिवारों को एसएमएस किये जा चुके हैं।

**अभी तक 87 प्रतिशत परिवारों ने लिया राशन :** मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि अगस्त माह में अभी तक 87 प्रतिशत परिवारों ने राशन ले लिया है। शेष परिवारों को सूचना दी जा रही है।

# सड़क, सीवेज के मुद्दे पर 'शहर सरकार' को घेरेगा विपक्ष

### नेता प्रतिपक्ष बोलीं-अब तक खरीदने-बेचने, नामकरण पर ही चर्चा; अध्यक्ष को लेटर लिखा

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल नगर निगम परिषद की मीटिंग 30 अगस्त को होगी। इसमें सड़क, सीवेज के मुद्दे पर 'शहर सरकार' को विपक्ष घेरेगा। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि अब तक हुई बैठकों में जनहित के मुद्दों पर बात नहीं की गई। सिर्फ सामान की खरीदी-बिक्री और नामकरण पर ही चर्चा हुई है। इसे लेकर अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी को लेटर भी लिखा है। नेता प्रतिपक्ष जकी ने बताया, वर्तमान परिषद की 9 बैठकें हो चुकी हैं। इनमें जनहित के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई। कांग्रेसी पार्षदों ने इसे लेकर विरोध भी जताया।

### ये मुद्दे हों शामिल

नेता प्रतिपक्ष जकी ने अध्यक्ष सूर्यवंशी को लेटर लिखा। जिसमें कहा कि बारिश में शहर के कई इलाकों में जलभराव के हालात बन गए। सड़कें उखड़ गई। स्ट्रीट डॉग्स, गायों का भूखा मारना, तस्करी का मामला भी सामने आ चुका है। बावजूद ऐसे जनहित के मुद्दों को मीटिंग में शामिल नहीं किया जाता। इसलिए अध्यक्ष को पत्र लिखा है। ताकि, वे एजेंडे में इसे शामिल कर सके।

### दुकानों की छतों को किराए से देगा निगम

बता दें कि 30 अगस्त को होने वाली मीटिंग का एजेंडा तय हो गया है। इसमें दो प्रमुख प्रस्ताव आएंगे। इन्हें लेकर महापौर मालती राय ने एमआईसी सदस्यों से चर्चा भी की है। वहीं, एमआईसी मीटिंग में यह प्रस्ताव मंजूर भी हो चुका है।

### ये प्रस्ताव रखे जाएंगे

निगम स्वामित्व की किराए एवं लीज पर आवंटित दुकानों की छतों को किराए जाने पर दिया जाएगा। विभाग ने इसका प्रस्ताव बनाया है। जिससे निगम की आय बढ़ेगी। 10 नंबर मार्केट में भूमि का आवंटन होने के बाद अब पीपीपी मोड पर मल्टीलेवल पार्किंग एवं दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए भी एमआईसी ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

### पार्षद पूछेंगे 10 से ज्यादा प्रश्न

एजेंडे के अनुसार- 2 जुलाई को हुए मीटिंग की कार्यवाही को सबसे पहले रखा जाएगा। फिर पार्षदों के प्रश्न-उत्तर होंगे। पार्षद 10 से ज्यादा प्रश्न पूछेंगे। अध्यक्ष सूर्यवंशी की अनुमति के बाद अन्य विषय भी रखे जाएंगे।

# राज्यपाल पटेल की कुशलक्षेम की जानकारी लेने मुख्यमंत्री डॉ. यादव एम्स भोपाल पहुँचे

### मुख्यमंत्री ने ओपीडी में मौजूद मरीजों और उनके परिजन से की चर्चा

**भोपाल (नप्र)।** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल की कुशलक्षेम की जानकारी लेने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल पहुँचे। मुख्यमंत्री ने एम्स परिसर में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में बताया कि राज्यपाल श्री पटेल वायरल फीवर के कारण 2 दिन पहले इलाज के लिए एम्स भोपाल आए थे। अब उनका स्वास्थ्य बेहतर है और वे शीघ्र ही स्वास्थ्य लाभ के बाद अपने निवास पहुँचेंगे।

### प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर हो रहा है सुधार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स भोपाल की ओपीडी में मौजूद मरीजों और उनके परिजन से भी कुशलक्षेम पूछी और संस्थान की व्यवस्थाओं तथा मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स भोपाल की व्यवस्थाओं के संबंध में संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान के संचालक और समस्त स्टॉफ सेवा भाव से कार्य कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि केंद्र सरकार द्वारा भोपाल को एम्स के रूप में दी गई सौगात के प्रति जन-सामान्य का विश्वास और भरोसा दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। पात्र मरीजों को आयुष्मान कार्ड का भी यहां लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार हो रहा है, इसके लिए हम सब उनके आभारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स भोपाल के कुशल संचालन के लिए वहां के समस्त डॉक्टर और स्टॉफ को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

# लिखित आश्वासन के बाद राठौर ने धरना स्थगित किया

### मुख्य महाप्रबंधक ने कहा-स्वत्वों की स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही, जल्द मिलेगा लाभ

**भोपाल (नप्र)।** मध्य प्रदेश कार्य गुणवत्ता परिषद कार्यालय परिसर में आमरण अनशन पर बैठे रिटायर कर्मचारी जीएल राठौर ने लिखित आश्वासन के बाद धरना स्थगित कर दिया है। उन्हें परिषद के मुख्य महाप्रबंधक ने लिखित में बताया है कि उनके स्वत्वों के भुगतान की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही उन्हें स्वत्व प्राप्त हो जाएंगे।

रिटायरमेंट के 10 माह बाद भी स्वत्वों (सामान्य भविष्य निधि, अवकाश नगदीकरण, ग्रेच्युटी, पेंशन और पेंशन सारांशीकरण के लाभ) का भुगतान न होने के कारण जीएल राठौर मंगलवार को परिषद के कार्यालय में आमरण अनशन पर बैठ गए थे। उन्होंने कहा था कि प्रकरण का निराकरण होने तक वे अनशन खत्म नहीं करेंगे। अनशन शुरू करते ही परिषद के मुख्य महाप्रबंधक ने राठौर को बताया कि उनके प्रकरण में स्वत्वों की स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है, जल्द ही उन्हें स्वत्वों का भुगतान कर दिया जाएगा पर राठौर अनशन पर बैठे रहे। आखिर समझाइश के बाद राठौर लिखित आश्वासन पर अनशन स्थगित करने को तैयार हुए। उल्लेखनीय है कि राठौर 30 सितंबर 2023 को परिषद से रिटायर हुए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश हैं कि कर्मचारी को रिटायरमेंट के साथ ही स्वत्वों का भुगतान कर दिया जाए, पर इस मामले में विभाग अपने ही नियम नहीं मान रहा है। राठौर इसी विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) में पदस्थ थे, जिसे बाद में मध्य प्रदेश कार्यगुणवत्ता परिषद का नाम दे दिया गया। परिषद बनाया तो निजाम भी बदला और परिषद एवं सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों के बीच पटरी न बैठने से परिषद से रिटायर हुए राठौर को स्वत्वों का भुगतान नहीं हो पा रहा है।

### कौन बड़ा का झगड़ा

राठौर बताते हैं कि परिषद के मुख्य महाप्रबंधक और सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों में 'कौन बड़ा' का झगड़ा है। यही कारण है कि विभाग ने परिषद को आहरण संवितरण के अधिकार नहीं दिए।

यह सिर्फ राठौर की परेशानी नहीं है।

# 30 अगस्त से आधे प्रदेश में भारी बारिश

### रतलाम रेल मंडल की 8 ट्रेन कैंसिल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल, राजगढ़, विदिशा, सीहोर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा समेत कई जिलों में आज धूप खिली है। सीधी-सिंगरौली में तेज बारिश के आसार हैं। इंदौर, उज्जैन में हल्की बारिश होगी। वहीं, 30-31 अगस्त से स्ट्रॉन्ग सिस्टम बन रहा है। ये प्रदेश के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग के 28 जिलों में भारी बारिश कराएगा। पश्चिमी हिस्से- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, नर्मदापुरम, चंबल और उज्जैन संभाग में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक प्रकाश दावले ने बताया, लो प्रेशर एरिया सिस्टम आगे बढ़ गया है। मानसून ट्रफ सागर से होते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर पहुंच रहा है। इससे दो दिन भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। 29 अगस्त तक प्रदेश में कहीं भी तेज बारिश की संभावना नहीं है। वडोदरा में जलजमाव, रतलाम रेल मंडल की 8 ट्रेन कैंसिल वडोदरा में रेलवे ब्रिज पर जल जमाव के कारण रतलाम रेल मंडल से गुजरने वाली 8 ट्रेन निरस्त कर दी गई हैं। वहीं, एक ट्रेन का रूट डायवर्ट किया गया है। ये 8 ट्रेन कैंसिल 12925 मुम्बई सेंट्रल-अमृतसर एक्सप्रेस

12917 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार एक्सप्रेस 12951 मुम्बई सेंट्रल-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस 09324 इंदौर-पुणे स्पेशल एक्सप्रेस

### रेलवे ट्रैक पर किए हमले में घायल व्यक्ति की मौत

# 15 साल पुरानी रंजिश का बदला लेने पत्थरों से किया था हमला

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल के बागसेवनिया इलाके में 10 दिन पहले हुए जानलेवा हमले में घायल युवक ने दम तोड़ दिया। उसके दो परिचितों ने शराब पिलाने के बाद उस पर हमला किया था। रेलवे ट्रैक किनारे पत्थर से पीट-पीटकर वारदात को अंजाम दिया गया। मृतक और आरोपियों के बीच 15 साल पुरानी रंजिश है। एएसआई अखिलेश कुमार के मुताबिक 47 वर्षीय मान सिंह मूलतः राजगढ़ जिले का रहने वाला था। पिछले कई सालों से वह भोपाल में ईश्वर नगर बस्ती में परिवार के साथ रहता था। वह मेहनत मजदूरी करता था। इसी बस्ती में रहने वाले सुनील और मंगल नाम

मजदूरों से उसकी पुरानी रंजिश थी। करीब पंद्रह साल पहले उनके बीच झगड़ा हो गया था तभी से मनमुटाव चलता रहता था।

**पहले शराब पिलाई फिर किया हमला:** गत 15 अगस्त को मान सिंह नारायण नगर की पटरी के पास से जा रहा था तभी सुनील व मंगल ने रास्ता रोका। दुश्मनी भुलाकर साथ शराब पीने की बात कही। तीनों ने साथ शराब पी। इसके बाद मानसिंह के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करना शुरू कर दी। मान सिंह ने उनका विरोध किया तो दोनों ने उस पर पत्थर से हमला कर दिया था। सिर पर पत्थर से वार करने के बाद दोनों मौके से भाग निकले थे।

# स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत

## ड्यूटी से घर लौटते समय हुआ हादसा, साथी की हालत नाजुक

**भोपाल (नप्र)।** भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में बाइक सवार दो लोगों को सामने से आ रही स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल दोनों लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां एक व्यक्ति की मौत हो गई। दूसरे की हालत नाजुक बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी वाहन चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 56 वर्षीय जियालाल आदमपुर छावनी में रहते थे, और सफाई कार्य करते थे। मंगलवार की दोपहर वे अपने साथी बाबूलाल के साथ बाइक पर सवार होकर ड्यूटी से घर

लौट रहे थे। कॉलेज से कुछ ही दूसी पर मंडीदीप तरफ से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो एमपी 13 जेड के 4022 ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां कुछ देर बाद ही जियालाल ने दम तोड़ दिया। जबकि बाबूलाल की हालत अब भी गंभीर बताई जा रही है। अस्पताल से मिली मौत की खबर पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

# दिग्विजय सिंह बोले- सोयाबीन के दाम बढ़ाए सरकार

### 2011 के बाद से दाम स्थिर, पीएम-सीएम किसानों के हित में लें फैसला

**भोपाल (नप्र)।** पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोयाबीन के भाव 13 साल में नहीं बढ़ने के कारण इसके दाम में वृद्धि की मांग प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से की है। मीडिया को जारी बयान में सिंह ने कहा है कि 2011 के बाद से सोयाबीन के भाव लगभग स्थिर हैं। इसलिए किसानों के हित में सोयाबीन के दाम रू. 6000 प्रति क्विंटल किए जाने चाहिए ताकि देश और एमपी के किसानों को सोयाबीन की फसल का पूरा लाभ मिल सके। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा है कि देश में लगभग 50 प्रतिशत से अधिक सोयाबीन मध्यप्रदेश में पैदा की जाती है लेकिन सन 2011 से लेकर आज तक लागत दोगनी तिगुनी हो गई, लेकिन

सोयाबीन का भाव जस का तस है। 4300 रुपए प्रति क्विंटल 2011 में था और अभी उसी के आस पास है। उन्होंने कहा कि सोयाबीन की फसल का भाव अंतर्राष्ट्रीय सोयाबीन के उत्पादन पर निर्भर करता है और इस साल जो संभावना है उसके अनुसार अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोयाबीन का भाव इसी प्रकार का रहेगा जो अभी तक 4000, 4300 रुपए प्रति क्विंटल बिकता था, शायद वह भी न मिल सके। सिंह ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से अपील करता हूं कि चूंकि हमारे अधिकांश किसान खरीफ में सोयाबीन की फसल लेते हैं, इसलिए उसके उत्पादन की खरीद सरकार को अवश्य करना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि इसका न्यूनतम भाव आज की लागत को देखते हुए लगभग रू. 6000 क्विंटल से कम नहीं होना चाहिए। यही मध्यप्रदेश के 100त्न किसानों की डिमांड भी है, इस बात पर पीएम और सीएम पूरा ध्यान दें।

# जनधन योजना में गरीब भाई-बहनों को सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर दिया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- **प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनधन योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर दी बधाई**
- **मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों को भी दी शुभकामनाएं**

**भोपाल(नप्र)।** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनधन योजना के गौरवशाली 10 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में लिखा है कि आज का दिन देश के लिए ऐतिहासिक है। भारत सरकार की इस कल्याणकारी योजना में समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को बेहतर जीवन और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की गई है। जनधन योजना का ही परिणाम है कि अब बैंकिंग सेवाओं का लाभ ऐसे व्यक्ति भी उठा रहे हैं जिन्होंने कभी इसकी कल्पना भी नहीं की थी। जनधन योजना करोड़ों देशवासियों विशेषकर गरीब भाई-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर देने में सफल रही है।

दैनिक
# सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती

इंदौर, गुरुवार 29 अगस्त, 2024

## आंगनवाड़ी केन्द्रों, उचित मूल्य दुकानों तथा स्कूलों का निरीक्षण

**इंदौर।** कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर इंदौर के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित विभिन्न आंगनवाड़ी केन्द्रों, उचित मूल्य दुकानों और स्कूलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों को उक्त संस्थानों के माध्यम से शासकीय योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुँचाने के निर्देश दिये गये। यह निरीक्षण एसडीएम श्रीमती कल्याणी पांडे द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम सनावदिया, देवगुरादिया, बिहाड़िया, मुंडलादोस्तदार की पंचायत का निरीक्षण भी किया गया। श्रीमती पांडे ने ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी भी ली। इस दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों, उचित मूल्य दुकानों तथा स्कूलों का भी निरीक्षण किया गया। किसानों से चर्चा कर ई-केवायसी की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे ई-केवायसी के लिए ग्रामीणों को सूचना प्रदान करे और अपेक्षाकृत प्रगति लाये। आंगनवाड़ी केंद्र बिहाड़िया, मुंडलादोस्तदार का निरीक्षण किया गया। उचित मूल्य दुकान बिचोली मर्दाना का भी निरीक्षण किया गया और लाभार्थियों से खाद्यान्न की गुणवत्ता के संबंध में चर्चा की गई। लाभार्थियों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। शासकीय माध्यमिक स्कूल जामन्याखुर्द का निरीक्षण किया गया जिसमें स्कूल के नियत समय पर 3 शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। इन पर कार्यवाही हेतु प्रस्ताव जिला शिक्षा अधिकारी को भेजा गया।

## इंदौर जिले में औसत रूप से अब तक लगभग 633 मिलीमीटर (25 इंच) वर्षा

**इंदौर।** इंदौर जिले में जारी मानसून सत्र में अब तक लगभग 633 मिली मीटर (25 इंच) औसत वर्षा दर्ज की गई है। यह गत वर्ष इस अवधि में दर्ज वर्षा से लगभग 100 मिलीमीटर (4 इंच) कम है। गत वर्ष इस अवधि में जिले में 733 मिली मीटर (29 इंच) वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष अब तक इंदौर क्षेत्र में 725.6 मिलीमीटर, महू में 486.1 मिलीमीटर, सांवेर में 697.5 मिलीमीटर, देपालपुर में 753 मिलीमीटर, गौतमपुरा क्षेत्र में 635.7 मिलीमीटर तथा हातोद क्षेत्र में 498.8 मिलीमीटर वर्षा हुई है। जिले में गत वर्ष अब तक इंदौर क्षेत्र में 628.9 मिलीमीटर, महू में 650 मिलीमीटर, सांवेर में 814.8 मिलीमीटर, देपालपुर में 1050.2 मिलीमीटर, गौतमपुरा क्षेत्र में 648 मिलीमीटर तथा हातोद क्षेत्र में 605.8 मिलीमीटर वर्षा हुई थी।

## बिजली कंपनियों में पुरानी पेंशन व्यवस्था ही लागू हो

**इंदौर।** मध्य प्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से अपील करते हुए कहा  कि सभी सरकारी उपक्रम की बिजली कंपनियों में कार्यरत कार्मिकों को पुरानी पेंशन व्यवस्था ही लागू की जाएं। महामंत्री पाठक ने कहा कि यूनीफाइड पेंशन स्कीम पुरानी पेंशन स्कीम का विकल्प नहीं है। पुरानी पेंशन स्कीम बंद होने के बाद बिजली कंपनियों में नियुक्त हुए सभी स्तर के कार्मिकों को पुरानी पेंशन व्यवस्था का ही लाभ दिया जाना चाहिए। 60 या 62 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त होने पर कार्मिकों का जीवन यापन के लिए एकमात्र सहारा पेंशन ही रहती हैं। अतः उन्हें अपने शेष जीवन को सम्मान जनक रूप से व्यतीत करने के लिए बेहतर पेंशन अर्थात पुरानी पेंशन की व्यवस्था ही देना चाहिए। बिजली कंपनियों में कार्यरत कार्मिकों की स्थिति बहुत ही तनाव और आशंकाओं से भरी है। बिजली कंपनियों में कार्मिकों की संख्या निरंतर तेजी से कम हो रही है जिसके कारण बचे हुए कार्यरत कार्मिकों पर अत्यधिक काम का दबाव भी बढ़ता जा रहा है। ऐसी सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पुरानी पेंशन व्यवस्था ही बिजली कंपनियों में लागू होना चाहिए।

## सड़क सुरक्षा समिति में 8 विशेषज्ञों को किया गया शामिल

**इंदौर।** इंदौर जिले में गठित जिला सड़क सुरक्षा समिति में 8 विशेषज्ञों को विशेष आंमत्रित सदस्यों के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर आशीष ?सिंह द्वारा आदेश जारी कर दिये गये हैं। जिन विशेषज्ञों को सदस्य बनाया गया है उनमें अतुल सेठ, प्रो. शरद नाईक, डॉ. ओ.पी. भाटिया, संदीप नारूलकर, हिमांशु दूधवड़कर, दिलीप वाघेला, आर. एस. राणावत तथा प्रफुल्ल जोशी शामिल है।

## हॉकी खिलाड़ी पर बना रहा था शादी का दबाव

### बस से उतरते ही पीछा करता था, पीड़िता पुलिस के पास पहुंची

**इंदौर (एजेंसी)।** इंदौर के आजाद नगर में एक हॉकी खिलाड़ी छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी उसके घर के नजदीक ही रहता है। वह आते-जाते छात्रा का पीछा करता था। आरोपी युवक शादी के लिए दबाव बना रहा था। पीड़िता ने अपने परिवार को बताया और थाने जाकर आरोपी की शिकायत कर दी। आजाद नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 18 साल की छात्रा की शिकायत पर शाहरुख पठान के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में केस दर्ज किया है। छात्रा ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि वह भंवरकुआ इलाके के कॉलेज में पढ़ाई करती है। वही हॉकी की खिलाड़ी है। हर दिन बस से आती जाती है। शाहरुख पठान भी उसी इलाके में रहता है, इस कारण दोनों एक-दूसरे को जानते हैं। मैं बस से उतरती तो वह मेरा इंतजार करता है। बस से उतरकर घर जाती हूं तो पीछा करता है। कुछ दिन तक तो मैंने उसे इग्नोर किया। लेकिन मंगलवार को हॉकी खेलने के बाद अपने बस से आजाद नगर इलाके में पहुंची। यहां बस से उतरी तो शाहरुख कुछ दूरी पर सामने आ गया। उसने कहा कि वह उसे पसंद करता है। वह शादी करना चाहता है। छात्रा यह कहते हुए आगे बढ़ गई कि उसे इन बातों से कोई मतलब नहीं है। लेकिन शाहरुख ने कहा कि शादी करना पड़ेगी। नहीं तो जान से खत्म कर देगा। इसके बाद छात्रा ने अपने मामा को पूरा घटनाक्रम बताया और थाने जाकर शाहरुख के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी।

# पब में पार्टी के दौरान विवाद : भूमाफिया और राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर के बेटे ने युवक पर किया शराब की बोतल से हमला

**इंदौर।** शहर के भूमाफिया लक्की धवन और एक अन्य राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर के बेटे ने एक युवक की हत्या की कोशिश की। आरोपित युवक पर शराब की बोतल से हमला कर फरार हो गए। युवक की हालत गंभीर है और निजी अस्पताल में भर्ती है। कनाड़िया पुलिस जांच में जुटी है। घटना बायपास स्थित एक पब की बताई जा रही है। अग्रवाल नगर निवासी कारोबारी मुकेश गुप्ता का बेटा ईशान पार्टी करने गया था। यहां मौजूद हार्दिक धवन और अभि शाक्य से विवाद हो गया। हार्दिक भूमाफिया लक्की उर्फ राजीव धवन (शिवकोठी) का बेटा है। अभि के पिता राजेश शाक्य राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर है। आरोपित ईशान को टेबल से उठा कर बाहर ले गए और शराब की बोतल मार कर घायल कर दिया। देर रात गंभीर अवस्था में इशान को निजी अस्पताल ले गए लेकिन डाक्टर ने हालत देख कर रिंग रोड़ स्थित बड़े अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

टीआई केपी यादव के मुताबिक इशान के सिर में गहरी चोट आई है। विवाद की शुरुआत रुपयों को लेकर हुई थी। इशान मोबाइल बेचने का काम भी करता है। उसने आरोपितों से पार्टी में ही रुपये मांग लिए थे। इससे नाराज होकर आरोपितों ने हमला किया है। रोहन और ऋतिक अरोरा का भी नाम सामने आया है। दोनों ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के पुत्र है। अभि शाक्य के विरुद्ध पूर्व से प्रकरण दर्ज है। हिट एंड रन और जानलेवा हमले के मामले में उसको विजयनगर की सितारा होटल से पकड़ा था। हाईप्रोफाइल परिवार के पुत्रों से जुड़े इस मामले को दबाने के लिए भाजपा नेता भी दबाव बना रहे है। अभि शाक्य शराब और ड्रग्स पार्टी के लिए बदनाम है। पुलिस को जानकारी मिली कि तीन दिन पूर्व भी शाक्य का स्कीम-140 स्थित एक पब के बाहर भी विवाद हुआ था। पुलिस शाक्य की तलाश कर रही है।

## उप चुनाव : वार्ड 83 में पार्षद पद के लिए 7 उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल

**इंदौर।** इंदौर नगर निगम के वार्ड क्रमांक 83 में रिक्त पार्षद पद के उप चुनाव के लिए प्रक्रिया जारी है। नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन आज 7 उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल किये गये। जिन उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल किये गये है उनमें विकास जोशी (इंडियन नेशनल कांग्रेस), संजय मालवीय (इंडियन नेशनल कांग्रेस), जितेन्द्र राठौर (भारतीय जनता पार्टी), योगेन्द्र मौर्य (निर्दलीय), पारस जैन (आम आदमी पार्टी), पूजा साहनी (बहुजन समाज पार्टी) तथा विनोद ?सिंह सूर्यवंशी (निर्दलीय) शामिल है।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) 29 अगस्त 2024 को प्रातः 10ः30 बजे से कक्ष क्रमांक 101 (न्यायालय कक्ष) प्रशासनिक संकुल, कलेक्टर कार्यालय इन्दौर में की जायेगी। अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तारीख 31 अगस्त 2024 तक रहेगी। नाम निर्देशन पत्र उक्त अवधि में दोपहर 03 बजे तक वापस लिये जा सकेंगे। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करने और निर्वाचन प्रतीकों के आवंटन का कार्य 31 अगस्त 2024 को ही अभ्यर्थिता से नाम वापसी के ठीक बाद होगा।

निर्वाचन के लिये मतदान 11 सितम्बर बुधवार को प्रातः 07 बजे से अपरान्ह 05 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 13 सितम्बर 2024 को प्रातः 09 बजे से जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम इन्दौर में होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह के निर्देशन में उक्त सभी चुनाव निर्विघ्न, व्यवस्थित, पारदर्शी तथा शांतिपूर्ण रूप से कराने के लिए सभी माकूल इंतजाम किये जा रहे है।

इसी तरह जिले में विभिन्न पंचायतों के विभिन्न रिक्त पदों की पूर्ति के लिए भी प्रक्रिया जारी है। इनके लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि भी आज थी।  जनपद पंचायत देपालपुर के वार्ड क्रमांक 23 में जनपद सदस्य के लिए कुल मात्र एक ही उम्मीदवार द्वारा नामांकन दाखिल किया गया है। इसी तरह खाती पिपलिया, पिपलिया मल्हार, गुरान और अहिरखेड़ी पंचायतों में ?रिक्त एक-एक पंच पदों के ?लिए भी कुल एक-एक ही नामांकन दाखिल हुए हैं।

## इंदौर में दोपहर बाद कई इलाकों में बूंदाबांदी

### बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं होने से 2 दिन ऐसा बना रहेगा मौसम

**इंदौर (एजेंसी)।** इंदौर में बुधवार सुबह से मौसम खिला रहा। दोपहर 1 बजे के बाद शहर के पूर्वी और मध्य इलाके में बादल छाने के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं शहर में इस बार जून व जुलाई माह में औसत से बारिश भले ही कम हुई हो, लेकिन अगस्त माह में बारशि का कोटा पूरा हो गया है। इंदौर में अब तक 28 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। इंदौर में सीजन का कोटा 36 इंच का है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बुधवार को शहर में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारशि भी होने की संभावना है। मंगलवार को शहर में सुबह बादल छंटने के बाद धूप खिली और शाम चार बजे बाद शहर के अलग-अलग हिस्सों में रुक-रुककर करीब सवा घंटे तक तेज बौछारें भी पड़ी। मंगलवार को शहर का तापमान 30.0 (+1) डिग्री और रात का तापमान 22.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

### सिस्टम कमजोर होने से बारिश का रुख बदला

इंदौर में 3 दिन से एक्टिव बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम अब थोड़ा कमजोर पड़ गया है। उसी के चलते बुधवार को दोपहर बाद बादल छाने के साथ कई इलाकों में रिमझिम होकर बारिश रुक गई। हालांकि मौसम विभाग ने 29-30 अगस्त से फिर स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनने की घोषणा की है। माना जा रहा है कि सितंबर की शुरुआत भी तेज बारिश से होगी।  इससे पहले सीनियर मौसम वैज्ञानिक प्रकाश दामले ने बताया था कि, मानसून ट्रफ, डीप लो प्रेशर एरिया, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से पूरे प्रदेश में भारी बारिश का दौर रहा।

## एमजी रोड सहित प्रमुख बाजारों से बेसमेंट में हुए अवैध निर्माणों को पहले तोड़ेगा निगम

### निगमायुक्त ने अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के दिए निर्देश

इंदौर। शहर की अधिकांश व्यवसायिक बिल्डिंगों के बेसमेंट में तमाम गतिविधियां चल रही है, जिसके कारण पार्किंग की समस्या बढ़ गई। निगम ने एक हजार से अधिक बिल्डिंगों की सूची तैयार की है। हालांकि उस पर भी सवाल उठे, क्योंकि इससे कई गुना अधिक बिल्डिंगों में बेसमेंट का दुरुपयोग किया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देश पर निगम ने झोनवार सूची तैयार की है मगर अभी शुरुआत में एमजी रोड सहित घने बाजारों के ही बेसमेंट में हुए अवैध निर्माणों को तोड़ा जाएगा, जहां पर सबसे अधिक यातायात अस्त-व्यस्त रहता है और सडकों पर गाड़ियां खड़ी रहती है। निगमायुक्त ने भी भवन अनुज्ञा शाखा की समीक्षा की, जिसमें निर्देश दिए कि जो नए अवैध निर्माण हो रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की जाए। पिछले दिनों भी प्रशासन ने कुछ व्यवसायिक बिल्डिंगों के बेसमेंट में चल रही कोचिंग क्लास और अन्य गतिविधियों को बंद करवाया था और उसके बाद नगर निगम ने भी नोटिस जारी किए। नतीजतन नगर निगम ने ऐसी एक हजार बिल्डिंगें चिन्हित कीं, जिनमें से 90 फीसदी के बेसमेंट में पार्किंग की जगह पर व्यवसायिक गतिविधियां संचालित हो रही है। हालांकि यह आंकड़ा 3 से 4 गुना अधिक है, क्योंकि जितने भी नक्शे निगम ने व्यवसायिक इमारतों के मंजूर किए हैं, उनमें से 90 फीसदी में ये समस्या है। गत दिवस महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने भी मीडिया से चर्चा करते हुए स्वीकार किया कि अधिकांश बिल्डिंगों में पार्किंग स्थल का दुरुपयोग हुआ है और अब प्रमुख चौराहों, बाजारों और व्यस्त मार्गों पर पहले यह मुहिम शुरू की जाएगी और उनके बेसमेंट पार्किंग के लिए खाली कराएंगे। वहीं आयुक्त शिवम वर्मा ने भी स्मार्ट सिटी ऑफिस में विभिन्न विभागों की बैठक ली, जिसमें भवन अनुज्ञा शाखा भी शामिल रहा। आयुक्त ने स्वच्छ भारत मिशन की भी समीक्षा की और प्रमुख बाजारों, उद्यान, डिवाइडर, फुटपाथ, बैकलेन से लेकर कॉलोनी के अंदरुनी क्षेत्रों में पर्याप्त सफाई करने के साथ ही झोनवार भवन अनुमति के प्रकरणों के संबंध में कहा कि लम्बित प्रकरणों का निराकरण तो किया ही जाए, साथ ही व्यवसायिक बिल्डिंगों के बेसमेंट भी खाली कराएं और कोचिंग क्लाससहित अन्य गतिविधियों का सर्वे कर ऐसे स्थानों को चिन्हित भी किया जाए। निगम का कहना है कि पहले एमजी रोड सहित प्रमुख बाजारों से बेसमेंट में हुए अवैध निर्माणों को तोड़ने और उन्हें पार्किंग के लिए खाली करवाने की शुरुआत की जाएगी।

## सफाई मित्रों के सम्मान में विशेष सफाई अभियान चलाया गया, महापौर भार्गव, कलेक्टर सिंह, निगम कमिश्नर वर्मा ने की सफाई

### नागरिकों का भी मिला पूरा सहयोग

इंदौर। इंदौर में गत दिवस स्वच्छता और सहयोग की अनूठी मिसाल देखने को मिली। शहर में महापौर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सफाई मित्रों के सहयोग के ?लिए अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने हाथों में झाड़ू थामी और शहर की सफाई की। इस कार्य में आम नागरिकों का भी पूरा सहयोग प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि 27 अगस्त को पूरे शहर में वाल्मीकि समाज के आराध्य वीर गोगादेव नवमी मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में सफाई मित्र शामिल होते है और इनके लिए दूसरे दिन 28 अगस्त को अवकाश रहा। शहर में सफाई व्यवस्था बाधित नहीं हो और वह निरंतर चले इसको दृष्टिगत रखते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने अपने हाथों में झाड़ू थामी और सफाई कर स्वच्छता की मिसाल प्रस्तुत की। शहरवासी महापौर के नेतृत्व में सफाई अभियान में झाड़ू लेकर शामिल रहे। इंदौर की सड़कें साफ करने में जनप्रतिनिधियों/नागरिकों के साथ शामिल विभिन्न संस्थाएं भी शामिल हुई। इंदौर नगर निगम में आठ हजार से ज्यादा स्थाई और अस्थाई सफाई कर्मचारी है जो हर दिन शहर की ढाई हजार किलोमीटर लंबाई की सड़कों व गलियों की रोज साफ-सफाई करते है और शहर को गंदगी से मुक्त करते है। सड़कों के कचरे को एकत्र कर गाड़ियों में भरकर ट्रेंचिंग ग्राउंड तक पहुंचाते है। गोगा नवमी पर सफाईकर्मी अवकाश पर रहते है। सात साल पहले स्वच्छता में पहली बार देश में पहला स्थान इंदौर को मिला था। इसके बाद सफाई मित्रों शहर के सामाजिक और अन्य संगठन भी सफाई अभियान में शामिल हुये। मां अहिल्या बाई की प्रतिमा स्थल राजवाड़ा क्षेत्र से शहर के विभिन्न कॉलोनी, मोहल्ले, धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक चौक और अन्य क्षेत्रों में भी सफाई कार्य व्यापक स्तर पर किये गये।

## तुकोगंज थाना क्षेत्र में दो पक्ष में नाचने के दौरान हुआ विवाद, जमकर चले पत्थर

**इंदौर।** शहर में दो पक्षों में नाचने के दौरान धक्का लगने की बात लग जमकर विवाद हुआ है दोनो ही पक्षों ने एक सुस्ती पर पथराव कर दिया पूरा घटनाक्रम वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए और इसी के आधार पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पूरा मामला इंदौर के तुकोगंज थाना क्षेत्र का है तुकोगंज थाना क्षेत्र में गोगा नवमी का कार्यक्रम चल रहा था इसी दौरान वहां पर धार से प्रमोद नामक व्यक्ति आए हुए थे और सामने ही रहने वाले कुछ लोगों से नाचने के दौरान धक्का लगने की बात को लेकर विवाद हो गया , इसके बाद उन युवकों ने प्रमोद की जमकर पिटाई कर दी, यह पूरा घटनाक्रम वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया और सीसीटीवी कैमरे में भी देखा जा सकता है कि किस तरह से बदमाश धार से आए हुए व्यक्ति की पिटाई कर रहे हैं फिलहाल वीडियो के आधार पर पुलिस ने इस पूरे मामले में दो नाबालिग और तीन अन्य आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है और पूरे मामले में उनके पुराने आपराधिक रिकार्ड को भी खंगाला जा रहा है।

# राजवाड़ा पर महापौर-अधिकारियों ने लगाई झाड़ू, पोहे भी खाए

**इंदौर (एजेंसी)।** बुधवार को गोगानवमी पर्व पर इंदौर के जनप्रतिनिधि और अधिकारी सफाई के मैदान में उतरे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर आशीषसिंह और निगमायुक्त शिवम वर्मा सुबह-सुबह राजवाड़ा पहुंचे। यहां उन्होंने सफाई की। व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पोहे भी खाए। गोगा नवमी पर सफाई में सहयोग के लिए क्रिकेटर आवेश खान ने भी वीडियो जारी किया। कहा कि मैं अभी शहर से बाहर हूं, पर मेरा परिवार इसमें पूरी सहभागिता करेगा। दरअसल गोगा नवमी पर्व पर सफाई मित्रों का अवकाश रहता है। इसके चलते इंदौर के सफाई में नंबर वन आने के पहले से यह परंपरा चली आ रही है कि इस दिन जन प्रतिनिधि और अधिकारी सफाई के लिए मैदान संभालते हैं। इनके साथ अपने-अपने इलाकों के जन प्रतिनिधि और संस्थाएं जन भागीदारी से स्वच्छता अभियान में शामिल होते हैं।

### अपने-अपने इलाकों में इन संगठनों ने भी की सफाई

जनप्रतिनिधियों के साथ ही रहवासी संगठन, सामाजिक संगठन, धार्मिक संगठन, सिक्ख समाज, बैंकिंग संगठन आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई बैंक, यूको बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, मार्केट एसोसिएशन, लायंस क्लब एनएसएस, एनसीसी, बीएसएफ, 15वीं बटालियन, स्वयंसेवक संघ, एनजीओ टीम बेसिक्स, टीम डिवाईन, टीम एचएमएस, टीम एफएफसीटी के प्रतिनिधियो द्वारा स्वच्छता महा जनभागीदारी अभियान से अपने-अपने क्षेत्रो में सफाई अभियान में शामिल है।

### क्रिकेटर आवेश खान बोले- गोगा नवमी पर सफाई मित्रों का सहयोग करें

भारतीय टीम के पेस बॉलर और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर आवेश खान ने कहा कि गोगा नवमी के पर्व पर सफाई मित्र अवकाश पर रहते हैं। स्वच्छता में लगातार सात बार से नंबर वन आ रहे इंदौर के लोगों को आज भी सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सभी शहरवासी अपने-अपने इलाके की सफाई में इन सफाई मित्रों का सहयोग करें। मैं देश से बाहर हूं, लेकिन मेरा पूरा परिवार इस काम में सहभागिता कर रहा है।

### आवारा पशुओं के बाड़े तोड़े, निगम के रिमूवल विभाग की कार्रवाई

अवैध रूप से बने इन बाड़ों को हटाने के लिए निगम का अमला सुबह से तैनात हो गया था। ंदौर नगर निगम द्वारा झोन 14 में आवारा पशुओं के बड़े तोड़े गए। नगर निगम के रिमूवल विभाग ने बुधवार सुबह यह कार्रवाई की। रिमूवल विभाग ने 10 बड़े तोड़े। इस दौरान पशु पालकों ने जमकर विरोध किया, लेकिन उनकी एक नहीं चली। यहां से कुछ अवारा कुत्तों को भी हटाया गया।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 29 अगस्त, 2024

# संपादकीय

## फिल्म इंडस्ट्री से उठा महिलाओं के शोषण का पर्दा

मलयालम फिल्म उद्योग को लेकर एक धारणा रही है कि केरल में होने के नाते वहां की स्थितियां बेहतर होंगी, महिलाओं के लिए अपेक्षया ज्यादा सहज और अनुकूल माहौल होगा। मगर कुछ महिला कलाकारों के आरोप के बाद अब जो मामले उजागर हो रहे हैं, उससे यही लगता है कि पर्दे पर प्रगतिशील और महिलाओं के हक में दिखने वाली फिल्मी दुनिया का भीतरी ढांचा कई स्तर पर महिलाओं के खिलाफ बहुस्तरीय शोषण की शर्मनाक तस्वीर भी छिपाए हुए है।

मलयालम फिल्म उद्योग में महिला कलाकारों के शोषण के मसले पर 2017 में गठित न्यायमूर्ति हेमा समिति की रपट के अब सामने आने के बाद कुछ पुराने मामले भी उभर रहे हैं। गौरतलब है कि एक अभिनेत्री ने मलयालम फिल्मों के एक निर्माता रंजीत पर अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया, जिसके बाद रविवार को रंजीत ने केरल चित्रकला अकादमी के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं एक अन्य अभिनेत्री के यौन उत्पीड़न के आरोप के बाद अभिनेता सिद्दीकी ने 'एसोसिएशन आफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया।

यों आरोपों के घेरे में आने वाली हस्तियों ने सच्चाई सामने आने का इंतजार करने का हवाला दिया है, मगर इस मसले पर गठित समिति की रपट में जो हकीकत सामने आई है, उसके बाद किस तरह के सच की उम्मीद की जा सकती है! संभव है कि आरोप और उसके साबित होने के बीच लंबा फासला हो। यह भी परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि फिल्म में काम पाने के लिए किसी महिला को मजबूरी में जो समझौते करने पड़े, शोषण या भेदभाव के मसले पर चुप रहना पड़ा, उसके

काफी समय बीत जाने के बाद आरोप उसी रूप में साबित हो सकें।

मगर मलयालम फिल्मों की दुनिया में महिलाओं के साथ होने वाले अनुचित व्यवहारों को हेमा समिति ने जिस शक्ल में दर्ज किया है, उससे साफ है कि पर्दे पर दिखने वाली प्रगतिशील कहानियों का नेपथ्य महिला कलाकारों के लिए उतना ही अनुकूल नहीं रहा है। वैसी स्थिति की कल्पना भी बेहद तकलीफदेह है जिसमें किसी महिला को उस व्यक्ति की पत्नी की भूमिका निभानी पड़ी, उसे गले लगाना पड़ा, जिसने एक दिन पहले उसका यौन उत्पीड़न किया था।

ऐसी न जाने कितनी घटनाएं काम नहीं मिलने और यहां तक कि प्रतिबंध लगाए जाने के हालात और मजबूरी के दुख में दब कर रह जाती होंगी और पर्दे पर चलती कहानियों के आधार पर फिल्म जगत की भीतरी दुनिया के बारे में लोग सकारात्मक राय बनाते होंगे। मगर उस दुनिया में महिलाओं के लिहाज से हकीकत कई बार उलट भी हो सकती है। किसी फिल्म की कहानी महिलाओं से होने वाले भेदभाव, उनके शोषण से जुड़े मुद्दे उठाती दिख सकती है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि इसके निर्माण से जुड़े समूह में महिलाओं के हक और सम्मान का भी उतना ही खयाल रखा गया हो।

हिंदी फिल्म उद्योग में महिला कलाकारों और खासतौर पर फिल्मी दुनिया में जगह बनाने पहुंची नई युवतियों को कैसी विपरीत परिस्थितियों और कई बार शोषण का सामना करना पड़ता है, इससे संबंधित खबरें पहले भी आती रही हैं। एक अघोषित चलन के तौर पर 'कास्टिंग काउच' नई महिला कलाकारों के लिए क्या साबित होता होगा, इसकी कल्पना की जा सकती है। यह देखने की बात होगी कि न्यायमूर्ति हेमा समिति की रपट में जो सामने आया है, उसमें बदलाव के लिए सरकार और खुद फिल्म जगत क्या करता है!

## सेल्फी का शौक है जानलेवा

, एम्स की रिपोर्ट के अनुसार मौत के मामले में पहले नंबर पर भारत

तकनीक के विकास के साथ-साथ लोगों की सोच और व्यवहार में बदलाव आना स्वाभाविक है, लेकिन यह भी महत्त्वपूर्ण है कि इसके नतीजे सकारात्मक हों। यह देखने में आया है कि लोगों के बीच सोशल मीडिया के आभासी जगत में रातों-रात लोकप्रियता पाने की भूख लगातार बढ़ रही है। स्मार्ट फोन के कैमरे से हर थोड़ी देर में सेल्फी लेना और रील (कम अवधि के छोटे वीडियो) बनाकर उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का शौक किशोरों और युवाओं पर इस कदर हावी हो रहा है कि वे इसके लिए अपनी जिंदगी को भी दांव पर लगा देते हैं।उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सेल्फी लेने के चक्कर में तीन विद्यार्थियों के गंगा के तेज बहाव में बह जाने की घटना बेहद दुखद है। इनमें एक छात्रा और उसके दो दोस्त शामिल थे, जो बिहार के पटना से वहां घूमने गए थे। सेल्फी लेने या रील बनाने के दौरान हादसे में मौत की खबरें आए दिन आती रहती हैं। कई बार इस तरह की हरकतों के दौरान वहां से गुजर रहे अन्य लोगों को भी दुर्घटना का शिकार होना पड़ता है। मगर सोचने की बात यह है कि लोग ऐसी घटनाओं से सबक क्यों नहीं लेते हैं! सोशल मीडिया पर सेल्फी और रील के जरिए चंद लोगों की वाहवाही बटोरने के लिए अपने साथ-साथ अन्य लोगों की जान को खतरे में डालना वास्तव में गंभीर मसला है। अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान (एम्स) के विद्यार्थियों की ओर से किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, सेल्फी लेने के दौरान दुनिया में होने वाली मौतों के मामले में भारत पहले स्थान पर है। किशोरों और युवाओं में बढ़ती जोखिम भरी प्रवृत्ति पर नियंत्रण पाने के लिए उनके अभिभावकों की भूमिका अहम है। परिजनों को अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि उनकी जिंदगी परिवार वालों के लिए सेल्फी और सोशल मीडिया से ज्यादा जरूरी है। इसके साथ ही शासन और प्रशासन को भी चाहिए कि ऐसे पर्यटन स्थलों पर व्यापक व स्पष्ट तौर पर चेतावनी चस्पां की जाए, जहां सेल्फी लेना जोखिम भरा हो सकता है। सार्वजनिक स्थलों पर नियमों को ताक पर रखकर सेल्फी लेने और रील बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी अमल में लाई जानी चाहिए। वैसे शौक को उचित नहीं कहा जा सकता, जो किशोरों और युवाओं के लिए जानलेवा साबित हो रहा हो।

## बलात्कार, बंद और बीजेपी

राकेश अचल

आज का शीर्षक किसी आने वाली फिल्म का नाम नहीं है। ये शीर्षक भारतीय राजनीति में बलात्कार को लेकर राजनीतिक दलों के चरित्र को उजागर करती एक लघुकथा का नाम है। कोलकाता में एक महिला चिकित्सक के साथ ज्यादती के बादकी नृशंस वारदात के बाद बंगाल में भाजपा की राजनीति इतनी बढ़ गयी है कि अब मामला बंगाल बंद तक आ पहुंचा है। इससे पहले आरक्षण के मामले पर विभिन्न संगठनों ने भारत बंद किया था। यानि राजनीति में अब यदि आरक्षण की बात करना है तो आपको बंद करना होगा और यदि महिला उत्पीड़न की बात करना है तो आपको बंद का इस्तेमाल करना होगा। प्रतिकार के लिए शायद बंद के आव्हान से बेहतर कोई दूसरा तरीका नहीं है। ऐसी लोक-मान्यता है कि यदि देश ,सूबा या कोई शहर बंद किया जाता है तो सत्ता प्रतिष्ठान के कान खुल जाते हैं ,आँखें खुल जाती हैं। लेकिन मेरा तजुर्बा कहता है कि ये धारणा उचित नहीं है। सत्ता प्रतिष्ठान को नींद से जगाने के लिए अब बंद कारगर हथियार नहीं रह गया है। फिर भी बंद का आव्हान किया जाता है। बीजेपी ने बंगाल बंद का आव्हान किया तो कम से कम मुझे तो हैरानी हुई ,क्योंकि महिला उत्पीड़न अब केवल बंगाल की समस्या नहीं है। पूरे देश की समस्या है। इसलिए यदि बीजेपी को बलात्कार या क़ानून और व्यवस्था के मुद्दे को लेकर बंद का आव्हान करना था तो उसे %भारत बंद% का आव्हान करना था क्योंकि बलात्कार केवल कोलकाता में ही नहीं हुआ। बलात्कार बीजेपी शासित राजस्थान में भी हुआ है,महाराष्ट के बदलापुर में भी हुआ है और मध्यप्रदेश के ग्वालियर में भी।

बलात्कार कम से कम भारत की एक राष्ट्रीय समस्या है। एनसीआरबी के आंकड़े ही सही मान लिए जाएँ तो इस देश में हर साल कम से कम 25 हजार महिलायें बलात्कार का शिकार होतीं है। ये तो वे महिलाएं हैं जो साहस कर पुलिस में रिपोर्ट करने पहुंचतीं हैं,बाकी इससे ज्यादा बलात्कार के मामले लोक-लाज,भय और असुरक्षा की वजह से रिपोर्ट ही नहीं होते। बलात्कार के मामलों को फास्ट कोर्ट में चलाने और आरोपियों की सजा दिलाने में हमारी सरकारें नाकाम रही है। अभियोजन अक्षम साबित हुआ है। कुल 27 फीसदी मामलों में ही आरोपियों को सजा मिली है। हमारी अदालतें तो बलात्कार के मामलों में सजायाफ्ता अपराधियों को फलरो के तहत बार-बार जमानत देने की उदारता और दिखा रही है। बलात्कार के बहाने से बीजेपी ने एक काम जरूर किया है कि यदि बलात्कार का आरोपी है तो उसके घरों को बुलडोज जरूर कर दिया है । बीजेपी का ये पुरुषार्थ भी विवादों की एक बड़ी वजह है । लेकिन बीजेपी भारतीय न्याय संहिता के तहत आरोपियों को दण्डित करने के बजाय बुल्डोजर संहिता पर ज्यादा भरोसा करती है। बलात्कार के मामलों को लेकर हमारी देश की अदलातों का व्यवहार भी % सिलेक्टिव्ह % जान पड़ता है। हमारी अदालतें कोलकाता के बलात्कार के मामले में सीबीआई को हड़काती है ,लेकिन ऐसा कितने मामलो में होता है। क्या सीबीआई हर मामले की जांच करने के लिए तैयार है ? क्या भाजपा द्वारा नियुक्त तमाम राज्यपाल बलात्कार पीड़ितों के परिजनों से उसी तरह मिलने के लिए राजी हैं जैसा की वे कोलकाता में कर रहे है ? बलात्कार के नाम पर बंद की राजनीति ही नहीं बल्कि राज्यपालों की राजनीती भी बंद होना चाहिए। भारत में ऐसा कौन सा राज्य है जहां बलात्कार नहीं होते। जहाँ कोलकाता से ज्यादा जघन्य वारदातें नहीं होतीं ? बलात्कार एक सामाजिक विकृति का मुद्दा है। क़ानून और व्यवस्था का मुद्दा है ,राजनीति का मुद्दा नहीं। यदि बलात्कार के मुद्दे पर बीजेपी राजनीति करती है तो भी बुरी बात है और यदि कांग्रेस करती है तो भी बुरी बात है। बुरी बात तो बुरी बात ही है ,चाहे फिर कोई भी राजनीतिक दल हो। राजनीति का मुकाबला राजनीति से हो ,कार्यक्रमों से हो ,नीतियों से हो न की मुकाबला करने के लिए बलात्कार जैसी घृणित वारदात का इस्तेमाल राजनीति के लिए किया जाये।

बंगाल जीतना बीजेपी का एक पुराना सपना है ,लेकिन दस साल केंद्र की सत्ता में रहने के बावजूद बीजेपी बंगाल नहीं जीत पाई है। साम, दाम, दंड और भेद से भी नहीं जीत पायी। राज्यपालों के दुरुपयोग से भी नहीं जीत पायी। अब बंगाल में बार-बार खेत होती रही बीजेपी बलात्कार के मुद्दे पर बंद का आयोजन कर बंगाल को जीतना चाहती है लेकिन बंगाल को जीतना यदि इतना ही आसान होता तो महाबली अमित शाह वहां परास्त न होते। बंगाल जीतने का सपना पूरा न होने से बीजेपी हताश है और हताशा में ही बीजेपी घृणित राजनीति पर उतर आयी है। बीजेपी का दर्द इसलिए और ज्यादा है कि उसे बंगाल में बार-बार एक महिला मुख्यमंत्री से पराजित होना पड़ रहा है। बीजेपी को महिलाएं नेतृत्व करती अच्छी नहीं लगतीं भले ही बीजेपी की सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित कराया हो। बीजेपी ने स्वर्ग जा चुकी श्रीमती सुषमा स्वराज को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया। उमा भारती को घर बैठा दिया, मायावती को कहीं का नहीं छोड़ा। मेहबूबा मुफ़्ती का मुख्यमंत्री बने रहना बीजेपी को पसंद नहीं आया। कांग्रेस की चेयर पर्सन रही श्रीमती सोनिया गाँधी तक को जर्सी गाय कहकर अपने महिला विरोधी चरित्र का मुजाहिरा किया है। बंगाल में बीजेपी जीते, जरूर जीते लेकिन किसी महिला के उत्पीड़न को औजार बनाकर नही। बीजेपी जिस तरीके से बंगाल में लड़ रही है जरा दक्षिण के राज्यों में भी लड़कर दिखाए लेकिन ये हो नहीं सकता ,क्योंकि बीजेपी आखिर बीजेपी है।

आपका पता नहीं ,लेकिन मुझे हमेशा ये लगता है कि बीजेपी लोकसभा चुनाव में अपनी पराजय के दर्द से अभी तक उबरी नहीं है। जबकि उसे अपनी पराजय के दर्द को भुला देना चाहिए क्योंकि अंततोगत्वा देश में सत्ता के शीर्ष पर भाजपा ही है भले ही उसकी मांग में जेडीयू और टीडीपी से उधार लिया हुआ सिंदूर भरा हुआ है लेकिन है तो बीजेपी सौभाग्यवती राजनीतिक पार्टी। अब ये उसके नेतृत्व के ऊपर है कि वो हिकमत अमली से अपनी लूली-लंगड़ी सरकार पूरे पांच साल चलाना चाहती है या बीच में ही रणछोड़ बनना चाहती है। बीजेपी को अब ये हकीकत स्वीकार कर लेना चाहिए कि भविष्य में वो 2014 या 2109 का इतिहास तो नहीं दोहरा सकती। बीजेपी को जितना आसमान छूना था, सो छू चुकी है। अब कहीं की ईंट और कहीं के रोड से बीजेपी का किला महफूज रहने वाला नहीं है फिर चाहे रोड का नाम चम्पई सोरेन हो या नीतीश कुमार।

## आज का कार्टून

## सरदार सरोवर बांध परियोजना : मानवीय त्रासदी की करुण गाथा जारी है नर्मदा को बचाने का संघर्ष

हरनाम सिंह

विकास के नाम पर देश के वंचित समाज को अपने घरों से बेदखल कर प्रताड़ित करने जैसी अनगिनत गाथाएं आए दिनों सामने आती रही है। बहुत कम लोग ही कथित विकास परियोजनाओं के दुष्परिणामों से बचने का कोई प्रयास कर पाते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रारंभिक वर्षों में नदियों पर बांध बनाकर विद्युत उत्पादन एक विकासवादी सोच था, कालांतर में जब यह सच सामने आया कि ऐसे बड़े बांध पर्यावरण को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं,तब कई देशों ने अपने यहां बड़े बांधों को तोड़कर नदियों को अवरिल प्रवाहित होने की छूट दी। लेकिन हमारा देश आज भी नदियों पर बांध बनाने को ही विकास से जोड़कर देख रहा है। इन बांधों के कारण विस्थापित होने वालों की पीड़ा कोई देखना और सुनना नहीं चाहता। प्रतिरोध को दमन और प्रचार के जरिए दबा दिया जाता है।

**नर्मदा बचाओ आंदोलन:** नर्मदा नदी मध्य प्रदेश के अमरकंटक से प्रारंभ होकर गुजरात होते हुए समुद्र में समाहित होती है। इस नदी पर अनेक बांध बन चुके हैं। अंतिम बांध सरदार सरोवर परियोजना अंतर्गत गुजरात में बनाया गया है। इस बांध के निर्माण से हुए पर्यावरणीय नुकसान से देश को बचाने और बांध से प्रभावित ग्रामीणों, किसानों, मछुआरों को न्यायोचित मुआवजा दिलवाने, उन्हें पुनर्स्थापित करवाने के लिए विगत 39 वर्षों से मेधा पाटकर के नेतृत्व में अहिंसक *नर्मदा बचाओ आंदोलन* चलाया जा रहा है। आगामी 31 अगस्त को यह आंदोलन 40 में वर्ष में प्रवेश करेगा। इस उपलक्ष में बड़वानी में विशाल रैली और जनसभा का आयोजन रखा गया है। इस कार्यक्रम में देश भर से पर्यावरण प्रेमियों के शामिल होने की संभावना है।

**गत वर्ष विध्वंस को प्रत्यक्ष देखा:** भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) द्वारा ढाई आखर प्रेम यात्रा के सिलसिले में प्रदेश के अनेक लेखकों, कलाकारों ने 23 से 27 दिसंबर 23 तक इंदौर से बड़वानी और बड़वानी से महेश्वर तक की यात्रा की थी। बड़वानी पहुंचे जत्थे को *नर्मदा बचाओ आंदोलन* के मुख्यालय के बारे में आंदोलन के एक प्रमुख साथी मुकेश भगोरिया ने विस्तृत जानकारी दी। कार्यालय के अधिकांश कक्ष विस्थापित आदिवासियों, पीड़ित किसानों के हजारों मुकदमों की फाइलों से पटे पड़े हैं। इन फाइलों में सरकार की बेरुखी, बदनीयती की अनेक सच्ची कहानियां मौजूद है। ढाई आखर प्रेम यात्रा जत्थे के सदस्य कई उन गांवों में पहुंचे जहां 100 दिन पूर्व हुई मानव निर्मित त्रासदी से शासकों की निर्ममता के जख्म नुमाया हो रहे थे।

**राजा का जन्मदिन प्रजा की तबाही:** सामंत काल में राजाओं के सनक भरे कई किस्से इतिहास में दर्ज हैं। अनेक राजा अपने मनोरंजन के लिए रियाया से जानलेवा व्यवहार करते थे। ऐसा ही व्यवहार गत वर्ष प्रधानमंत्री के जन्मदिन (17 सितंबर 2023) के लिए सरदार सरोवर बांध को लगभग पूरा भरकर किया गया, ताकि प्रधानमंत्री बांध के शीर्ष पर बैठकर आसानी से पूजा अर्चना कर सकें। सरदार सरोवर बांध को 121.92 मीटर से बढ़ा कर 138.55 मीटर तक भरा गया। बांध 99. 5 प्रतिशत तक भर गया। जलस्तर बांध के धरातल के मात्र 23 सेंटीमीटर नीचे था। सितंबर माह में नर्मदा नदी में बाढ़ आई हुई थी। 16 सितंबर को ओंकारेश्वर में शंकराचार्य की प्रतिमा स्थापना के बाद बिना चेतावनी के ओंकारेश्वर बांध के सारे गेट खोल दिए गए और सरदार सरोवर बांध के सभी 30 गेट बंद कर दिए गए। ताकि बांध को पूरा भर कर रखा जा सके। अधिकारियों के इस जानलेवा निर्णय से दर्जनों गांवों में जलभराव होने लगा। यह प्राकृतिक बाढ़ नहीं शासन निर्मित बाढ़ थी। जिसका खामियाजा हजारों किसानों को भुगतना पड़ा। नर्मदा के बैक वाटर से हजारों घर डूबने लगे, लोग रातों-रात अपने घर, मवेशी, फसलें सब छोड़कर पलायन के लिए विवश हो गए। इस मानव निर्मित बाढ़ से 193 गांव डूब गए। ऐसे ही अनेक गांवों की पीड़ा को महसूस करते हुए ढाई आखर प्रेम जत्था धार जिले के अकलवारा मूल गांव में पहुंचा जहां ग्राम वासियों ने उन्हें अपने नुकसान के बारे में जानकारी दी। इस जलभराव में फंसकर 5 ग्रामीण मारे गए, कई कच्चे मकान गिर गए, फसलें डूब गई। सरकार द्वारा किसी को कोई मुआवजा नहीं दिया गया। यह प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर किसानों को दिया गया अमानवीय उपहार था। यही नहीं प्रधानमंत्री के इस आयोजन की समाप्ति पश्चात सरदार सरोवर बांध से छोड़े गए जल प्रवाह से गुजरात के भरूच में बाढ़ आ गई। वहां भी बड़े पैमाने पर तबाही हुई। संवेदनहीन शासकों की इस उत्सव धर्मिता को कैसे समझा जाए यह पाठक की तय करें।

पर्यावरण के साथ नर्मदा को बचाने, विस्थापन से पीड़ितों को न्याय दिलाने की लड़ाई बिना थके आज भी जारी है।

## अकेलेपन से बढ़ रहा पहचान कम होने का संकट

अंशु सिंह

बालकनी में बैठे हुए अचानक लाउडस्पीकर से निकली एक आवाज ने कौतुहल पैदा कर दिया। कोई महिला लोगों से गुहार लगा रही थी कि उसके पचहत्तर वर्षीय पिता शाम से घर नहीं लौटे हैं। वे पास के एक पार्क में टहलने गए थे। काफी देर बाद जब नहीं लौटे, तो उनके परिवार वालों ने आसपास ढूंढ़ना शुरू किया।

मित्रों से पूछा। किसी को उनकी खबर नहीं थी। महिला यह भी कह रही थी कि उनके पिता को 'डिमेंशिया' यानी स्मृतिलोप नामक बीमारी है, जिस कारण कई बार वे रास्ते भूल जाते हैं। इसलिए उनके कुर्ते की जेब में घर का पता और फोन नंबर पर्ची में लिखकर रखा होता है। तिपहिया वाहन में बैठी वह महिला बीच-बीच में भावुक हो जा रही थी और उसी आवेग में अपनी बातें भी कहती जा रही थी। उसने यह भी बताया कि थाने में गुमशुदगी की रपट दर्ज करा दी गई है, फिर भी किसी को उनके पिता की खबर मिले, तो वे उनसे फोन पर जरूर संपर्क करें। ज्यादातर लोगों को ऐसे दिनों का ध्यान होगा, जब मोहल्ले में बच्चों की गुमशुदगी को लेकर गाड़ियों से घोषणा की जाती थी। मगर किसी बुजुर्ग के गुम हो जाने की सूचना बहुत कम मामलों में रहती थी। इसी तरह के एक मामले में एक चिकित्सक का भरा-पूरा परिवार था। वक्त आने पर बेटियों की शादी हो गई, बेटों ने अपना अलग आशियाना बना लिया। कुछ समय बाद पत्नी भी गुजर गईं और वे बिल्कुल अकेले पड़ गए। पहले उन्होंने बोलना कम कर दिया, फिर धीरे-धीरे वे भूलने की बीमारी की गिरफ्त में चले गए। कुछ समय बाद उन्होंने लोगों को पहचानना बंद कर दिया और चल बसे।इस तरह के मामले अब अपने आसपास लोगों को देखने को मिल जा सकते हैं, जिसमें कोई बुजुर्ग स्मृतिलोप, डिमेंशिया या अल्जाइमर या भूलने की परेशानी या क्रम से बात याद नहीं रख पाने की दिक्कत से जूझ रहे हैं। खासतौर पर बुजुर्ग आबादी के बीच इसने एक 'महामारी' का रूप ले लिया है। लैंसेट पब्लिक हेल्थ जर्नल के अनुसार, वर्ष 2050 तक एक करोड़ तिरपन लाख से अधिक लोग इस बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं। इसके शिकार लोगों की याददाश्त, सोच, भाषा और व्यवहार बढ़ती उम्र के साथ परिवर्तित हो रहे हैं। ह्यूस्टन विश्वविद्यालय में इस मसले पर हो रहा शोध बताता है कि लोग जितनी ज्यादा उम्र तक जीते हैं, उनमें अल्जाइमर होने का जोखिम उतना ज्यादा होता है। दूसरी ओर, इस सच को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि भारत समेत दुनिया भर में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है।

## राज्यपाल पटेल की कुशलक्षेम की जानकारी लेने सीएम यादव एम्स भोपाल पहुँचे, ओपीडी में मौजूद मरीजों और परिजन से की चर्चा

इंदौर। राज्यपाल मंगू भाई पटेल की कुशलक्षेम की जानकारी लेने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल पहुँचे। मुख्यमंत्री ने एम्स परिसर में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में बताया कि राज्यपाल पटेल वायरल फीवर के कारण 2 दिन पहले इलाज के लिए एम्स भोपाल आए थे। अब उनका स्वास्थ्य बेहतर है और वे शीघ्र ही स्वास्थ्य लाभ के बाद अपने निवास पहुँचेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर हो रहा है सुधार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स भोपाल की ओपीडी में मौजूद मरीजों और उनके परिजन से भी कुशलक्षेम पूछी और संस्थान की व्यवस्थाओं तथा मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स भोपाल की व्यवस्थाओं के संबंध में संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान के संचालक और समस्त स्टाफ सेवा भाव से कार्य कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि केंद्र सरकार द्वारा भोपाल को एम्स के रूप में दी गई सौगात के प्रति जन-सामान्य का विश्वास और भरोसा दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। पात्र मरीजों को आयुष्मान कार्ड का भी यहां लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार हो रहा है, इसके लिए हम सब उनके आभारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स भोपाल के कुशल संचालन के लिए वहां के समस्त डॉक्टर और स्टाफ को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

## भारतीय चिप बनाने का लक्ष्य बेहद महत्वाकांक्षी, हासिल करने का भरोसा : ओला संस्थापक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कैब सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनी ओला के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने अभी तक कोई भारतीय चिप नहीं बनने को 'अनूठी विडंबना बताते हुए कहा है कि भारत के लिए पहली एआई चिप बनाने की उनकी घोषणा बेहद महत्वाकांक्षी लक्ष्य है लेकिन कंपनी को अपना वादा पूरा करने का भरोसा है। अग्रवाल ने कहा कि एक चिप बनाना एक 'जोखिम भरा प्रयास है। इसके बावजूद उन्हें यकीन है कि ओला ग्रुप और एआई इकाई 'क्रुत्रिम इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी अपनी एआई चिप के लिए विनिर्माण इकाई नहीं लगाएगी। इसके बजाय कंपनी ताइवान, कोरिया या अमेरिकी पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय वैश्विक कंपनियों के साथ काम करने की योजना बना रही है। ओला के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इस बारे में बातचीत चल रही है, लेकिन अभी तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि कोई भारत में अत्याधुनिक चिप संयंत्र लगाएगा, और हमें इसका उपयोग करने में खुशी होगी। अग्रवाल ने कहा, ''दुनिया की हर चिप का डिजाइन भारत से होकर गुजरता है। हर चिप का थोड़ा डिजाइन भारत में हो रहा है लेकिन हमारे पास कोई भारतीय चिप नहीं है। हमारे पास दुनिया में सबसे ज्यादा सिलिकॉन चिप डिजाइनर हैं लेकिन कोई भारतीय चिप नहीं है। यह एक अनूठी विडंबना है। उन्होंने कहा, ''इसीलिए हमने अपनी खुद की चिप बनाने का फैसला किया है, और यह एक कृत्रिम मेधा (एआई) चिप होगी। इसके साथ ही एक सामान्य उद्देश्य वाला सीपीयू भी विकसित किया जाएगा। ओला की एआई के लिए समर्पित इकाई का नाम क्रुत्रिम रखा गया है। इसने सीपीयू और एआई चिप के विकास के लिए आर्म और अनटीथर एआई जैसी वैश्विक कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है।

## आईपीओ पर एनएसई का एक और प्रयास, एनओसी के लिए किया आवेदन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश की मंजूरी के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया है। मंगलवार को आयोजित अपनी वार्षिक आम बैठक में एनएसई ने शेयरधारकों को इसके बारे में सूचित किया। ये खबर ऐसे समय में आई है जब सेबी ने इस महीने की शुरुआत में दिल्ली हाईकोर्ट को एनएसई की लिस्टिंग को लेकर एक जानकारी दी थी। सेबी ने हाईकोर्ट को बताया कि एनएसई ने लिस्टिंग के लिए एनओसी के लिए कोई नया रिक्वेस्ट नहीं आया है। सेबी ने एनएसई के आईपीओ में तेजी लाने के लिए हाईकोर्ट में दायर एक रिट याचिका का जवाब दिया था। बता दें कि एनएसई की आईपीओ योजनाएं 2016 से ही अधर में लटकी हुई हैं। इसी साल कंपनी ने पहली बार ड्राफ्ट रेड-हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीएचआरपी) दाखिल किया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुताबिक उसके रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में एनएसई पर निवेशकों के रजिस्ट्रेशन में तेजी आई है। मार्च 2021 में रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या 4 करोड़ तक पहुंचने में 25 साल से ज्यादा का समय लगा। इसके बाद एक-एक करोड़ की वृद्धि औसतन लगभग छह-सात महीनों में हुई है।

# Class 12 Board Results To Be Based On Classes 9 To 11: NCERT Report

The National Council of Educational Research and Training (NCERT) has suggested a new evaluation model for Class 12 board exams. As per NCERT Parakh's new report, the evaluation for Class 12 would be based on the student's performance in three classes 9-11 and include vocational and skill-based training. PARAKH released a report titled 'Establishing Equivalence across Education Boards,' suggesting the incorporation of aggregate performance metrics of students from Class 9-11. The evaluation would include 15 per cent from Class 9, 20 per cent from Class 10, 25 percent from Class 11 and the remaining 40 per cent marks from Class 12.

The report highlights the marking scheme to be followed from Class 9 to Class 12. In Class 9, 70 per cent marking should be based on formative assessment and 30 per cent from summative assessments; in Class 10, an equal weightage of 50-50 per cent is given to formative and summative assessment; Class 11 will include 40 per cent from formative and 60 per cent from summative assessments while Class 12 assessment will be based on 30 per cent from formative and 70 per cent from summative assessments.

PARAKH (Performance Assessment, Review, and Analysis of Knowledge for Holistic Development) is a regulatory centre set up by NCERT, to the Ministry of Education. The body earlier also advocated for a standardised assessment approach across all educational boards in India. It recommended for making vocational and skill-based subjects such as Data Management, Coding, Application Development, Artificial Intelligence, Music, Arts, and Crafts in the curriculum. The report also recommended on the need to weigh teachers' performance and enhance school infrastructure. This includes ensuring the availability of water, well-resourced libraries, and adequate sports facilities to create a conducive learning environment.

# India To Host International Olympiad On Astronomy And Astrophysics In 2025

India will host the 18th edition of the International Olympiad on Astronomy and Astrophysics (IOAA) in August next year. The announcement was made on the official Facebook account of Homi Bhabha Centre for Science Education, TIFR. The post read, "India will host #IOAA2025! The 18th International Olympiad on Astronomy and Astrophysics will be held in Mumbai, India in August 2025, with @HBCSE_TIFR leading the efforts. The IOAA flag was formally handed over to the Indian team at the closing ceremony of IOAA2024. Stay tuned!"

The official website also noted that Indian stars clinched 1 Gold and 4 Silver medals at the 17th International Olympiad on Astronomy and Astrophysics (IOAA 2024) in Vassouras, Brazil, from August 17-27, 2024. Meanwhile, registrations are ongoing for the National Science Olympiad Program in India. Interested and eligible candidates can visit the official website of HBCSE tifr for detailed information. An official notification by the HBCSE TIFR notes, "Registration for the 1st stage of National Science #Olympiad Program in India - NSE (National Standard Examination) has begun, register by September 14, 2024 at : https://iapt.org.in For more information visit: https://olympiads.hbcse.tifr.res.in"

The Olympiad will be held in four stages. The first stage includes National Standard Examinations (NSE), the second stage will include Indian National Olympiad (INO), third will include Orientation cum Selection (OCSC) and the fourth stage includes International Science Olympiads. The international Olympiad for Physics will be held in Paris, France. The Olympiad for Chemistry is scheduled to be held in United Arab Emirates and that of Biology will be conducted in Quezon city, Philippines.

# Australia limits international student enrollments for 2025

The Government of Australia will set a National Planning Level (NPL) for new international students. The government announced that it would set a limit on the number of international student enrollments at 2,70,000 for 2025. The NPL is divided between the higher education and vocational education and training (VET) sectors.

School students, higher degree by research students, students undertaking standalone English language courses (ELICOS), non-award students, Australian Government sponsored scholars, students that are part of an Australian transnational education arrangement or twinning arrangement, key partner foreign government scholarship holders, and students from the Pacific and Timor-Leste are excluded from the NPL. Arrangements for 2026 and beyond will deliver sustainable growth in international student numbers to ensure the sustainability of the sector into the future, it added.

For publicly funded universities, the managed growth strategy is expected to lead to approximately 1,45,000 new international student enrollments in 2025, maintaining levels similar to those in 2023. This, the government added, seeks to support universities who have been disproportionately affected by the pandemic and uneven patterns of student returns. Individual limits will be outlined in an International Student Profile (ISP). Publicly funded universities have been provided with their indicative ISPs. In developing ISPs, several factors have been taken into account using data from universities. This includes recent figures on new international student commencements and the concentration of international enrolments within their onshore student populations.

Starting in 2026, the Albanese Government will promote the development of new student housing by universities to support the growth of both domestic and international students. For other universities and non-university higher education providers, the total number of new international student commencements in 2025 is expected to be approximately 30,000. Under the Albanese Government's managed growth strategy, approximately 95,000 new international VET student commencements are anticipated in 2025. Providers with a higher proportion of international students will receive reduced allocations to encourage a more diverse student base. These reforms aim to bolster sector integrity and improve the international student experience, ensuring sustainable growth by offering more opportunities for training alongside Australian students. Pending legislative approval, from January 1, 2025, this new system of managed growth and enhanced integrity measures will replace Ministerial Direction 107.

Saying that it is determined to strengthen the integrity of the sector and ensure it maintains its social licence, the government added that this move to limit the number of international students would bring the number of new international student commencements, across higher education and VET, back to pre-pandemic levels. The Albanese Government is strengthening the integrity and sustainability of the international education sector, a statement on the ministers.education.gov.au said.

## ICAI CA Foundation Admit Card 2024 Released For September Exams

The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) has released the Admit Card 2024 for the Chartered Accountants Foundation Examination 2024. The link for downloading the admit card is available on the official website of ICAI - icai.org. Candidates who are planning to appear for the examination in September 2024 can download the admit card by visiting the official website and clicking on the link - ICAI CA Foundation Admit Card 2024. It is pertinent to note that the Chartered Accountants Foundation Examination 2024 is scheduled to be held on September 13, 15, 18, and 20, 2024. Paper I and 2 of the examination will be held from 2 pm to 5 pm, while Paper 3 and 4 will be held from 2 pm to 4 pm on all days. In Paper 3 and 4 of the Foundation Examination, there is no advance reading time available. However, in all the other papers/examines mentioned above, an advance reading time of 15 minutes will be given from 1.45 pm (IST) to 2 pm (IST).

# गिरने वाले हैं कारों के दाम, डीलरों के सामने बढ़ा संकट, बिक्री घटी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कारों बिक्री में गिरावट के बीच ऑटोमोबाइल कंपनियों और डीलरों के सामने नया संकट खड़ा हो गया है। डीलरों के पास कारों का स्टॉक बढ़ रहा है और कंपनियां लगातार उत्पादन क्षमता बढ़ाती जा रही हैं। आम आदमी के नजरिए से देखा जाए तो उससे काफी कारों पर प्रतीक्षा अवधि कम हो गई है और भविष्य में कारों की कीमतों में गिरावट की भी संभावना है, लेकिन यह बड़े संकट का संकेत भी है, जिससे निपटने के लिए कई कंपनियां अपने कुछ मॉडल की तय कीमतों में कटौती पर भी विचार कर रही हैं।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) का कहना है कि कारों की बिक्री में तीन से चार फीसद की वृद्धि होने का

अनुमान था, लेकिन कंपनियों ने उत्पादन क्षमता को 10 फीसदी तक बढ़ा दिया है। फाडा के सीईओ सहर्ष दमानी कहते हैं कि पहले हमारे पास मांग के अनुमान के आधार पर 30-32 दिन का स्टॉक होता था, लेकिन अब कारों का 67 से 72 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। बीते पांच महीने से स्टॉक बढ़ता जा रहा है लेकिन उसके अनुपात में बिक्री नहीं बढ़ रही है।

### सेल घटने की ये है बड़ी वजह

फाडा का कहना है कि कोरोना से पहले कारों की औसत कीमत अगर छह लाख रुपये थी तो वो आज बढ़कर 10 लाख रुपये पहुंच गई है। जिस अनुपात में कारों की कीमतों को बढ़ाया गया है, उस अनुपात में कोरोना के बाद लोगों की आय नहीं बढ़ी है। मौजूदा समय में 15 हजार डीलर और उनके 30 हजार आउटलेट से जुड़े गोदामों में करीब सात से सवा सात लाख कारें स्टॉक में हैं। अगर इन कारों की औसत कीमत 10 लाख रुपये मान ली जाए तो भी 70 से 75 हजार करोड़ रुपये की कारें स्टॉक में खड़ी है। ऊपर से ऑटोमोबाइल कंपनियों की तरफ से हर रोज डीलरों को नई कारें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

### पुरानी की बिक्री में तेजी आई

चार पहिया वाहनों को री-सेल करने वाली कंपनी से जुड़े एक पदाधिकारी कहते हैं कि पुरानी की बिक्री में तेजी आई है। खासकर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई से लेकर अन्य प्रमुख शहरों में सबसे ज्यादा लोग पुरानी कारों को खरीद रहे हैं। मारुति, हुंडई से लेकर तमाम कंपनियां कारों की खरीद पर छूट व अन्य तरह के ऑफर दे रही हैं। कारों पर 60 हजार से लेकर ढाई लाख तक की छूट दी जा रही है जो मॉडल और कार के हिसाब से अलग-अलग है। डीलर भी अपना कमीशन कम करके गाड़ियों को निकालने की कोशिश में हैं लेकिन उसके बाद भी पर्याप्त संख्या में ग्राहक नहीं है।

# आपको याद तो होगी बोरोलीन, आजादी पर मुफ्त बंटी थी 1,00,000 ट्यूब

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पॉपुलर एंटीसेप्टिक क्रीम बोरोलीन एक बार फिर चर्चा में है। ट्रेडमार्क के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल में बोरोलीन बनाने वाली कंपनी जीडी फार्मास्यूटिकल्स के पक्ष में फैसला सुनाया था। खुशबूदार एंटीसेप्टिक क्रीम बोरोलीन... 90 के दशक में टीवी पर गूंजने वाली इस जिंगल को भला कौन भुला सकता है। यह एक ऐसी क्रीम है जो केवल एक ब्यूटी प्रॉडक्ट के तौर पर ही नहीं जानी जाती बल्कि अक्सर फर्स्ट एड बॉक्स में भी नजर आ जाती है। अंग्रेजी शासन में विदेशी उत्पादों को टक्कर देने के लिए स्वदेशी मूवमेंट के तहत जन्मी इस क्रीम की भारतीयों के दिल में एक अलग जगह है।

बोरोलीन को अस्तित्व में लाने का श्रेय जाता है कोलकाता के गौर मोहन गुप्ता को। उन्होंने देश में चल रहे स्वदेशी आंदोलन के दौर में 1929 में लोगों के लिए एक ऐसी एंटीसेप्टिक क्रीम बनाने का फैसला किया जो हर भारतीय की पहुंच में हो। उस समय देश में महंगी विदेशी क्रीम क राज था। गौर मोहन खुद विदेशी सामान का आयात करते थे लेकिन फिर स्वदेशी मूवमेंट से जुड़ गए। उन्हें लगा कि देश की मदद करने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि इसे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए। इसी सोच के साथ उन्होंने ऐसे प्रॉडक्ट्स बनाने का फैसला किया, जो क्वालिटी में विदेशी उत्पादों को टक्कर दें। लेकिन उनकी कीमत आम भारतीय की जेब के मुताबिक हो।

### कैसे हुई लोकप्रिय

मगर यह सब आसान नहीं था। कई लोगों ने उन्हें हतोत्साहित किया लेकिन गौर मोहन भी अपनी धुन

के पक्के थे। उन्होंने अपनी कोशिश जारी रखी। भारत को आजाद और आत्मनिर्भर बनाने का सपना दिल में रखते हुए उन्होंने अपने घर पर स्वदेशी उत्पाद बनाना शुरू किया। इन्हीं में से एक थी हरे रंग के ट्यूब और गोल काले ढक्कन वाली बोरोलीन क्रीम। उन्होंने इसे 1929 में लॉन्च किया। जल्दी ही इसने भारतीयों के दिल में जगह बना ली। बोरोलीन बनाने वाली कंपनी का नाम जीडी फार्मास्यूटिकल्स है। इसे बोरोलीन पीपुल के नाम से भी जाना जाता है। बोरोलीन दो शब्दों से मिलकर बना है। बोरो शब्द बोरिक पाउडर से लिया गया है जबकि ओलीन लैटिन शब्द ओलियन से लिया गया है।

अमूमन कंपनियां अपने प्रॉडक्ट के फॉर्मूले का राज नहीं खोलती हैं लेकिन स्वदेशी आंदोलन से उपजी बोरोलीन ने कभी ऐसा नहीं किया। शायद यही वजह है कि उसे ट्रेडमार्क की समस्या का सामना करना पड़ा। जीडी फार्मास्यूटिकल्स के मुताबिक बोरोलीन एंटीसेप्टिक क्रीम में एंटीसेप्टिक बोरिक एसिड, एस्ट्रिंजेंट, सनस्क्रीन जिंक ऑक्साइड और एमोलिएंट लैनोलिन का इस्तेमाल होता है। बोरोलीन का उपयोग कटे-फटे होंठ, खुरदरी त्वचा और संक्रमण के इलाज के लिए किया जाता है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक इस क्रीम ने देशभर के लोगों पर जादू कर दिया था। बोरोलीन हर तरह की त्वचा को सूट करने वाली क्रीम है।

### आजादी का जश्न

साल गुजरने का साथ ही बोरोलीन की लोकप्रियता भी बढ़ती गई। यह एक तरह से देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गई थी। बोरोलीन के बारे में कई दिलचस्प किस्से भी मशहूर हैं। कहा जाता है कि देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और मशहूर अभिनेता राजकुमार भी इसे यूज करते थे। 15 अगस्त 1947 को जब देश आजाद हुआ तो जीडी फार्मास्युटिकल्स ने इस खुशी के मौके पर आम जनता को 1,00,000 से भी ज्यादा बोरोलीन ट्यूब मुफ्त में बांटी थीं। साथ ही कंपनी ने उस दिन कलकत्ता के दो अखबारों में इसका विज्ञापन भी दिया था। कई साल तक कंपनी केवल बोरोलीन के सहारे रही। लेकिन 90 के दशक के आखिर में उसने एलीन हेयर ऑयल लॉन्च किया। साल 2003 में कंपनी ने सुथॉल नाम का एंटिसेप्टिक लिक्विड लॉन्च किया। गर्मी के मौसम में सुथॉल की सेल बढ़ती है जबकि बोरोलीन की बिक्री सर्दियों में ज्यादा होती है। आज कंपनी के पोर्टफोलियो में बोरोलीन, बीओ लिप्स, रुक्षा हैंड वॉश, रुक्षा हैंड सैनेटाइजर, एलीन, सुथॉल, पेनोरब और नोप्रिक्स जैसे कई प्रॉडक्ट्स हैं। कंपनी के देश में दो प्लांट हैं। बोरोलीन ट्रेडमार्क भारत के अलावा ओमान, तुर्की, बांग्लादेश और यूएई में भी रजिस्टर्ड है।

## सरकार और नीतियों की निरंतरता से उद्योग को उच्च वृद्धि का भरोसा : मारुति सुजुकी प्रमुख

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर सी भार्गव ने मंगलवार को कहा कि भारत ने तेज आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के बीच विरोधाभास को गलत साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार और नीतियों की निरंतरता से उद्योग को लगातार उच्च वृद्धि का विश्वास मिलता है। भार्गव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों से कहा कि भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं इसे एक सतत और अधिक समतापूर्ण समाज की ओर ले जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि उद्योग और सरकार 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक-दूसरे के साथ काम कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में मैंने लोगों को यह तर्क देते हुए सुना है कि तेज आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के बीच वास्तव में मेल नहीं हैं। हमारे देश ने इस सोच को साबित कर दिया है। अपनी बात पर जोर देते हुए भार्गव ने कहा, हम अब दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं, और हमारे प्रधानमंत्री सबसे सम्मानित वैश्विक नेताओं में से एक हैं। उन्होंने कहा कि समय-समय पर दुनिया ने देखा है कि हम लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं। हाल के आम चुनावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसने एक बार फिर दिखाया कि करोड़ों लोग शांतिपूर्ण तरीके से मतदान कर सकते हैं और उस प्रक्रिया के परिणामों को स्वीकार कर सकते हैं। भार्गव ने हालांकि स्वीकार किया कि समान और तीव्र आर्थिक वृद्धि तथा विकास के लिए नीतियों और रणनीतियों को स्थिर होने में कुछ समय लगा है। उन्होंने साथ ही जोड़ा, ...लेकिन हमने शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से सही रास्ता खोज लिया। यह दुनिया के कई हिस्सों और हमारे पड़ोस में जो हमने देखा है, उसके बिल्कुल विपरीत है।

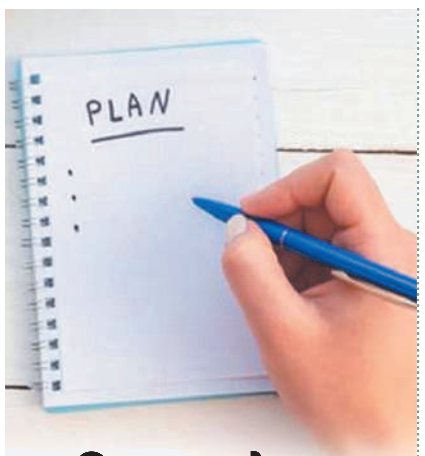


# करियर चुनते समय भूलकर भी ना करें यह गलतियां

करियर चुनते समय कुछ चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप इन चीजों का ख्याल नहीं रखती हैं तो आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

करियर चुनना एक ऐसा फैसला है जिस पर आपकी आने वाली जिंदगी निर्भर करती है। ऐसे में यह फैसला कभी भी जल्दबाजी या बिना जानकारी के ना लें। अगर आप ऐसा करती हैं तो आने वाला समय आपके लिए मुश्किलों से भरा हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि करियर का फैसला सोच समझकर लिया जाए। ऐसे में करियर चुनते समय निम्नलिखित गलतियों से बचने के लिए ध्यान देना काफी जरूरी है।

## प्रभावित होना

अक्सर लोग दूसरों के मत और प्रभावों के चलते करियर चुनते हैं। आपको अपनी प्राथमिकताओं, रुचियों और क्षमताओं के आधार पर चुनाव करना चाहिए, न कि दूसरों के प्रभाव में आकर। दूसरों का सुनना जरूरी है लेकिन जरूरी नहीं की आप उनकी हर बात को मानें।

## बाहरी दबावों को महत्व देना

अक्सर परिवार दबाव, सामाजिक प्रतीक्षाओं या प्रतिस्पर्धा के दबाव के चलते गलत करियर चुन लेते हैं। आपको खुद के आंतरिक आवश्यकताओं और योग्यताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दबावों मे आकर कोई भी गलत निर्णय ना करें। ऐसे में आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

## अनधिकृत सलाह पर निर्भरता

करियर चुनते समय बहुत से लोग अनधिकृत या अयोग्य व्यक्तियों से सलाह लेते हैं। आपको केवल प्रामाणिक और विशेषज्ञ सलाहकारों की सहायता लेनी चाहिए। सलाह लेना जरूरी है लेकिन अपनी रूची के हिसाब से निर्णय लें। ताकि आपको आगे दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

## सिर्फ पैसे के लिए चुनाव

सिर्फ पैसे के लिए करियर को ना चुनें। पैसा होना जरूरी है लेकिन अगर आपका मन उस काम में नहीं लगता है लेकिन उस फिल्ड में पैसा अधिक है तो कभी भी ऐसा फील्ड का चुनाव अपने करियर के लिए ना करें।

# इन टिप्स से मिलेगी अच्छी नौकरी

करियर के शुरुआत में ही अगर आपको अच्छी कंपनी मिलती है तो काफी लाभ हो सकता है। बड़ी- बड़ी कंपनियां अपने इंप्लाई को काफी अच्छी सैलरी शुरुआत में भी देते हैं। अगर आप भी मोटी सैलरी की चाह रखती हैं तो आपको कुछ आसान टिप्स को फॉलो करना होगा। इसकी मदद से आपको अच्छी नौकरी खोजने में काफी लाभ मिलेगा।

## रिज्यूमे बनाते समय रखें ध्यान

आपने अपने फ्यूचर को लेकर जिस जॉब से जुड़ने का लक्ष्य बना रखा है उसके अनुसार अपना रेज्यूमे तैयार करना चाहिए। भले ही आप फेशर्स क्यों ना हो आप चाहे तो अपने रिज्यूमे को अच्छे से बना सकती हैं। रिज्यूमे बनाते समय इन चीजों को जरूर लिखें।

- कॉन्टैक्ट डिटेल्स लिखें
- वर्क एक्सपीरियंस लिखें
- प्रोजेक्ट्स लिखें
- एजुकेशन लिखें
- स्किल्स लिखें
- ऑब्जेक्टिव लिखें

## सोशल साइट्स से तलाशे नौकरी

सोशल साइट्स का इस्तेमाल केवल फोटो और वीडियो के लिए ही नहीं बल्कि नौकरी तलाशने के लिए भी किया जाता है। LinkedIn जैसे ऐप की माध्यम से आपको आसानी से नौकरी मिल जाएगी। इस साइट पर आपको एक्टिव रहना है और खुद से जुड़ी जानकारी शेयर करते रहना है। इतना ही नहीं, बड़ी- बड़ी कंपनियां यही नौकरी से जुड़ी सूचना डालते हैं। आपको यहीं से अप्लाई करने का विकल्प भी मिल जाएगा।

## कुछ नया करें

आपको अगर एक काम आता है तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत हो सकती हैं। अगर आप अपने काम के साथ अपने फिल्ड से जुड़ी अन्य कामों की जानकारी रखती हैं तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत नहीं होगी। कुछ नया सिखना हमेशा जरूरी हैं।

# बनना चाहते हैं एचआर ....तो जानिए इसके लिए क्या करना होगा

**ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) प्रोफेशनल्स किसी भी कंपनी के लिए बहुत जिम्मेदार सदस्य होते हैं, जो खास तौर पर रिक्रूटमेंट, एम्प्लॉई मैनेजमेंट और अन्य प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी संभालते हैं।**

अगर आप मानव संसाधन (एचआर) क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको अलग-अलग स्तर पर अहम फैसले लेने होंगे। ।क्रमें सफल करियर के लिए सही शिक्षा, अनुभव और कौशलों का होना जरूरी है। यहां इस प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया है। ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) प्रोफेशनल्स किसी भी कंपनी के लिए बहुत जिम्मेदार सदस्य होते हैं, जो खास तौर पर रिक्रूटमेंट, एम्प्लॉई मैनेजमेंट और अन्य प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी संभालते हैं। यह करियर विकल्प न केवल चुनौती भरा हो सकता है, बल्कि बहुत ही संतोषजनक और सम्मानित किए जाने वाला पोजीशन भी है।

मानव संसाधन (एचआर) प्रोफेशनल के लिए जिम्मेदारियां

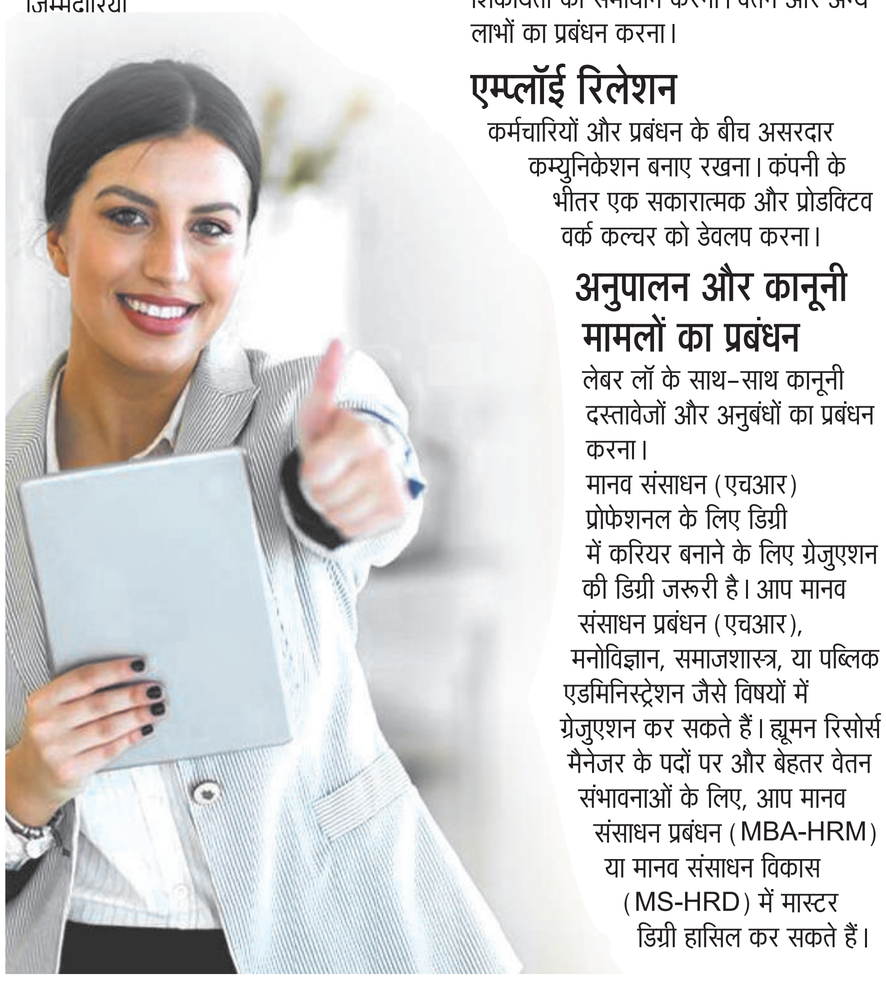

## रिक्रूटमेंट

पदों की आवश्यकता की पहचान करना। अलग-अलग प्लेटफार्मों पर जॉब पोस्ट करना। आवेदन पाने के बाद कैंडिडेट्स की स्क्रीनिंग करना। इंटरव्यू का आयोजन और संचालन करना। सबसे खास कैंडिडेट का चयन करना और नौकरी के प्रस्ताव भेजना।

## एम्प्लॉई मैनेजमेंट

नए कर्मचारियों का प्रशिक्षण और उनकी कौशल में वृद्धि के लिए विकास कार्यक्रम आयोजित करना। कर्मचारियों के परफॉर्मेंस का मूल्यांकन करना और फीडबैक के आधार पर परफॉर्मेंस एप्रेजल देना। कर्मचारियों की समस्याओं और शिकायतों का समाधान करना। वेतन और अन्य लाभों का प्रबंधन करना।

## एम्प्लॉई रिलेशन

कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच असरदार कम्युनिकेशन बनाए रखना। कंपनी के भीतर एक सकारात्मक और प्रोडक्टिव वर्क कल्चर को डेवलप करना।

## अनुपालन और कानूनी मामलों का प्रबंधन

लेबर लॉ के साथ-साथ कानूनी दस्तावेजों और अनुबंधों का प्रबंधन करना।

मानव संसाधन (एचआर) प्रोफेशनल के लिए डिग्री में करियर बनाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री जरूरी है। आप मानव संसाधन प्रबंधन (एचआर), मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, या पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन जैसे विषयों में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजर के पदों पर और बेहतर वेतन संभावनाओं के लिए, आप मानव संसाधन प्रबंधन (MBA-HRM) या मानव संसाधन विकास (MS-HRD) में मास्टर डिग्री हासिल कर सकते हैं।

एचआर (Human Resource) में एमबीए करने के लिए कैट (CAT) और मैट (MAT) जैसी परीक्षाएं आमतौर पर जरूरी होती हैं। ये परीक्षाएं आपके मैनेजमेंट प्रोग्राम में प्रवेश पाने के लिए आयोजन कराई जाती हैं और भारत में कई प्रतिष्ठित बिजनेस स्कूलों जैसे भारतीय प्रबंधन संस्थानों IIMs में स्वीकार की जाती हैं। इसके साथ ही मानव संसाधन में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन में दो साल का पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) भी जरूरी हो सकता है।

## प्रोफेशनल सर्टिफिकेट और ट्रेनिंग

कई ऑर्गनाइजेशन ।क्रप्रोफेशनल के लिए सर्टिफिकेट कोर्स ऑफर करते हैं। ये सर्टिफिकेट आपके नॉलेज और स्किल्स को मान्य करते हैं और आपको नौकरी दिलाने में बेहतर साधन उपलब्ध करा सकते हैं। कुछ सर्टिफिकेट कोर्स जैसे प्रोफेशनल इन ह्यूमन रिसोर्स, सोसायटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सर्टिफाइड प्रोफेशनल और सीनियर प्रोफेशनल इन ह्यूमन रिसोर्स कर सकते हैं। ह्यूमन रिसोर्स में एंट्री लेवल के पदों के लिए अक्सर इंटर्नशिप या वालंटियर के अनुभव की जरूरत होती है। आप ।क्रविभाग में सहायक, भर्ती करने वाला या प्रशिक्षण और विकास विशेषज्ञ जैसे पदों पर काम करके अनुभव प्राप्त कर सकते हैं।

## एचआर प्रोफेशनल के लिए जरूरी कौशल

एचआर प्रोफेशनल के लिए जरूरी कई तरह के कौशल होते हैं। इनमें से कुछ कौशल ये हैं। संचार, पारस्परिक कौशल, समस्या समाधान, नेतृत्व, विवरण पर ध्यान देना, सहानुभूतिपूर्ण रवैया, त्वरित निर्णय, ईमानदारी, धैर्य, सामाजिक जागरूकता, स्व-प्रबंधन, जवाबदेही, रणनीति के हिसाब से सोच, तकनीकी दक्षता, रणनीतिक योजना, स्टेकहोल्डर के साथ प्रबंधन।

इन कौशलों से मानव संसाधन प्रोफेशनल को अपने संगठन में सकारात्मक योगदान देने और चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलती है। साथ ही, इन कौशलों से वे प्रभावी संचार और कुशल प्रबंधन कर पाते हैं। मानव संसाधन प्रोफेशनलों को कर्मचारी डेटा और मुआवजा, चिकित्सा मुद्दों, मानसिक स्वास्थ्य, संघर्ष, परफॉर्मेंस, वर्कप्लेस की चोट, उत्पीड़न और अनुशासनात्मक समस्याओं से जुड़ी जानकारी से भी अवगत होना चाहिए। इसके अलावा, उन्हें कर्मचारियों की गोपनीयता बनाए रखने की ज़िम्मेदारी भी निभानी होती है।

# करियर में चाहिए सफलता तो इन बातों का रखें ध्यान

**करियर में आगे बढ़ने का सपना हर किसी का होता है ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको इससे जुड़ी कुछ ख़ास बातें बताने वाले हैं।**

करियर में आगे बढ़ना तो सभी चाहते हैं। हम सभी को यह लगता है कि बस कैसे भी करके हमें जल्दी से प्रमोशन मिल जाएं। इसके लिए कई बार हम अपने टैलेंट के हिसाब से नई नौकरियां भी ढूंढते रहते हैं। ज़्यादातर कंपनियां मल्टी टैलेंटेड लोगों को ही हायर करना चाहती है। ऐसे में अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ना चाहती हैं तो हम आपको कुछ टिप्स बताने वाले हैं। आपको इन टिप्स को फॉलो करना चाहिए।

## व्यवहार पर दें ध्यान

आपको अपनी टीम के साथ अपना रिश्ता अच्छा बनाकर रखना चाहिए। कई बार कुछ चीजों पर हमें काफी ज़्यादा गुस्सा आ जाता है। अगर ऐसा आपके साथ भी हो रहा है तो आप अपने व्यवहार को ध्यान में रखते हुए ही कुछ कदम उठाए। कई बार जल्दबाजी में लिया गया फैसला गलत साबित हो सकता है। स्थिति चाहे कितनी भी खराब क्यों न हो आपको नियंत्रण करना आना चाहिए।

## बातचीत का तरीका

कोशिश करें कि आप ज्यादा से ज्यादा अपने बॉस से बातें करें। कॉरपोरेट जॉब में ऐसा करना बहुत ही ज्यादा जरूरी है। अगर आपके बाल 9-5 जॉब करके वापस घर आ जाती है तो आपका प्रमोशन नहीं होने वाला है। ना ही आपको करियर में आगे सफलता मिलने वाली है। किसी भी प्रोफ़ेशन के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स काफी ज्यादा जरूरी है। इसलिए हमेशा अपने कम्युनिकेशन स्किल्स पर ध्यान देना चाहिए।

## सीखने की लगन

अगर आपको कोई टास्क दिया गया है जो आपको बिलकुल भी नहीं आता है तो परेशान न होए और न ही अपने बॉस को यह कहे कि आपको यह काम नहीं आता है। आपको यह कहना चाहिए कि मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है लेकिन मैं इसमें काम करना चाहूंगी। ताकि मैं इसकी भी जानकारी प्राप्त कर सकूं। ऐसे में आपका बॉस आपसे इंप्रेस हो जाएंगे।

## काम में गलती करने से बचे

आपकी एक गलती आप पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में अगर आप अपने करियर में आगे जाना चाहती हैं तो आपको अपने काम को लेकर डेडिकेशन दिखाना होगा। इसके लिए कोशिश करें कि काम करते वक्त कोई भी गलती ना करें। गलतियां तभी होती है जब हम जल्दबाजी में काम करते हैं। जल्दबाजी में आकर काम करना बंद कर दें।

# बैंक क्लर्क जॉब सिक्योरिटी और तरक्की के अवसर भी

**सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में चयनित होना और इनमें करियर बनाना काफी समय से युवाओं का लक्ष्य रहा है। इस जॉब से जुड़ी उज्जवल संभावनाओं को देखते हुए ही वे इस ओर आकर्षित होते हैं। यहां जॉब सिक्योरिटी भी है और तरक्की के अवसर भी।**

द्विपक्षीय समझौते से पहले तक बैंक क्लर्क को काफी कम वेतन मिला करता था। मगर अब यह स्थिति बदल गई है। अब सार्वजनिक बैंकों के क्लर्कों का वेतन लगभग निजी बैंकों के समकक्ष हो गया है। इसके अलावा क्लर्क को अपने ही बैंक में आगे बढ़ने और प्रमोशनल एग्जामिनेशन में बैठने का अवसर भी मिलता है। क्लर्क के रूप में 2 से 3 साल की सेवा देने के बाद आप ऑफिसर ग्रेड में पहुंच सकते हैं और आकर्षक सैलरी के साथ-साथ अन्य लाभ तथा भत्ते भी पा सकते हैं। किसी भी बैंक में क्लर्क के रूप में जॉइन करते ही पेंशन तथा प्रॉविडेंट फंड स्कीम भी लागू हो जाती है। इसके अलावा बैंकों द्वारा अपने क्लर्कों तथा उनके परिजनों को चिकित्सा बीमा का लाभ भी दिया जाता है। क्लर्क के रूप में शुरूआत करने वाले योग्य, प्रतिभावान और अनुभवी व्यक्ति आगे चलकर ब्रांच मैनेजर के पद तक पहुंच सकते हैं। निजी बैंकों के कुल 3 लाख कर्मचारियों में से केवल 21 प्रतिशत ही क्लर्क की श्रेणी में आते हैं। विदेशी बैंकों में तो क्लर्कों की संख्या मात्र 6 प्रतिशत ही है। वे अफसरों की नियुक्ति को वरीयता देते हैं। दरअसल भारत में समूची बैंकिंग प्रणाली अब अफसरों के पक्ष में नजर आती है। शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों ने जो 115 लाख कर्मचारी नियुक्त किए, उनमें 6 लाख से अधिक अफसर थे! मगर देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में आज भी अफसरों से अधिक क्लर्क कार्यरत हैं।

## नियुक्ति के ट्रैंड

- आज देश की बैंकों में 52 प्रतिशत अफसर हैं, जबकि दस साल पहले ये 38 प्रतिशत ही थे।
- टेक्नोलॉजी के चलते क्लर्कों के कई काम अब निरर्थक रह गए हैं।
- बेहतर औद्योगिक संबंधों के इरादे से भी बैंक 'ऑफिसर ओनली'' मॉडल को तवज्जो दे रहे हैं।
- इस नए रवैये के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की प्रति कर्मचारी औसत लागत बढ़ गई है।

एम्प्लॉयी प्रोफाइल में यह परिवर्तन बैंकिंग प्रणाली के कम्प्यूटरीकरण के कारण आया है, जिसके चलते क्लर्कों द्वारा किए जाने वाले अधिकांश काम अब अतीत की बात बन गए हैं। पहले क्लर्क एंट्री बनाते थे और अफसर उन्हें जांचकर लेनदेन अधिकृत करते थे। इसे मेकर-चेकर मॉडल कहा जाता था। अब जबकि अधिकांश बैंकिंग प्रणाली कम्प्यूटरीकृत हो गई है, तो लेनदेन को मैन्युअली चेक करने की कोई जरूरत नहीं रह गई। राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारी बताते हैं कि संभवत: कार्यकुशलता तथा बेहतर श्रम संबंधों के दोहरे लक्ष्य को साधने के लिए ही बैंक अब क्लर्कों के मुकाबले अधिक अफसरों को नियुक्त कर रहे हैं। सिद्धांतत: अफसरों से चौबिस घंटे काम करने की अपेक्षा की जाती है। उनके लिए ओवरटाइम का कोई प्रावधान नहीं होता। वहीं क्लर्कों को 10 मिनिट ज्यादा रोकने पर भी ओवरटाइम तथा परिवहन भत्ता देना पड़ता है।

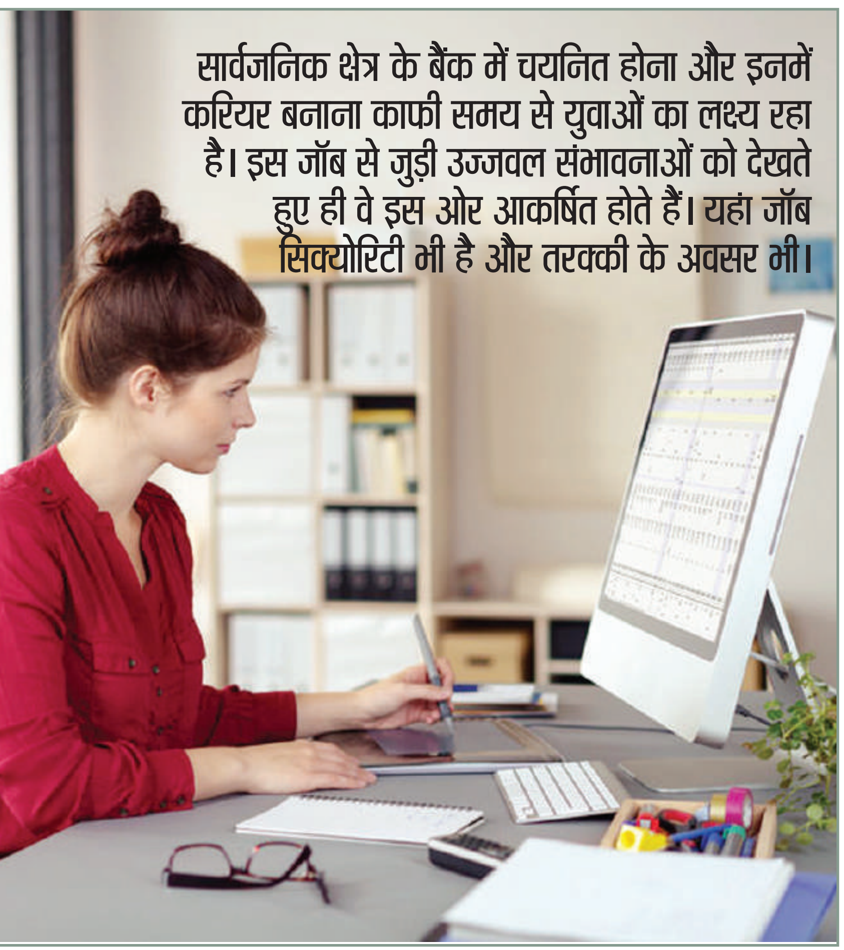

ड्यूरंड कप 2024

# मोहन बागान ने पेनाल्टी शूटआउट में बंगलूरू को हराया

## फाइनल मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से मुकाबला

**नईदिल्ली, एजेंसी।** ड्यूरंड कप 2024 के दूसरे सेमीफाइनल में मोहन बागान ने बेंगलुरू को हरा दिया। अब फाइनल में शनिवार को नॉर्थईस्ट यूनाइटेड और मोहन बागान के बीच मुकाबला खेला जाएगा।

ड्यूरंड कप 2024 में मोहन बागान सुपर जायंट्स ने दूसरे सेमीफाइनल मैच में बंगलूरू एफसी को 4-3 से हरा दिया। मैच का समापन रेगुलेशन टाइम में 2-2 की बराबरी के साथ हुआ, जिसके बाद पेनाल्टी शूटआउट से विजेता का फैसला हुआ।

मंगलवार को मोहन बागान सुपर जायंट्स पेनाल्टी शूट-आउट में बंगलूरू से बीस साबित हुई और विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए रोमांचक मुकाबले में फाइनल में जगह बनाई। 133वें इंडियनऑयल ड्यूरंड कप 2024 के फाइनल में अब मोहन बागान का सामना नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से होगा। मोहन बागान की तरफ से पेनाल्टी शूटआउट में जेसन कमिंग्स, मनवीर सिंह, लिस्टन कोलाको और डिमिट्री पेट्राटोस ने गोल करने में कामयाबी पाई। रेगुलेशन टाइम में बेंगलुरू एफसी ने सुनील छेत्री (42वें मिनट) और युवा प्रतिभा विनीत वेंकटेश (50वें मिनट) के गोलों की मदद से 2-0 की बढ़त बना रखी थी। 2-0 से पिछड़ रही मोहन बागान ने जबरदस्त वापसी की।

डिमिट्री पेट्राटोस (68वें मिनट) और अनुरुद्ध थापा (84वें मिनट) ने गोल कर स्कोर बराबर किए। खेल खत्म होने से पांच मिनट पहले थापा के गोल ने सुनिश्चित कर दिया कि मैच पेनल्टी पर जाएगा। अब मोहन बागान का सामना शनिवार को नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से फाइनल में होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### जय शाह की आईसीसी में एंट्री, बनाया गया उन्हें नया चेयरमैन

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह को आईसीसी का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वह निर्विरोध आईसीसी के नए चेयरमैन बने हैं। उनका कार्यकाल 1 दिसंबर 2024 से शुरू होगा। जय शाह से पहले भारत के जगमोहन डलमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर आईसीसी के अध्यक्ष रह चुके हैं।

### धवन के बाद दिनेश कार्तिक भी खेलेंगे लीजेंड्स लीग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शिखर धवन के लीजेंड्स लीग क्रिकेट के आगामी सीजन में शामिल होने की घोषणा के एक दिन बाद, भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इसमें शामिल हो गए हैं। कार्तिक ने इस साल जून में इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीज़न की समाप्ति के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने कैश-रिच लीग में अपने अंतिम कार्यकाल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया। मध्य क्रम में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते कार्तिक कमेंटेटर के तौर पर भी असाधारण काम कर रहे हैं।

39 वर्षीय खिलाड़ी ने एलएलसी में शामिल होने के बारे में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और कहा कि लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेलना निश्चित रूप से एक ऐसी चीज है जिसका मैं अपनी सेवानिवृत्ति के बाद इंतजार कर रहा हूं। मैं मानसिक और शारीरिक रूप से इस कार्य के लिए तैयार हूं और खेलने के लिए उत्सुक हूं। दिनेश कार्तिक ने तीनों प्रारूपों के 180 मैचों में एक टेस्ट शतक और 17 अर्धशतकों के साथ 3,463 रन बनाए। उन्होंने विकेट के पीछे 172 शिकार भी किए। आईपीएल के 257 मैचों में वह 4,842 रन बनाने में सफल रहे। कार्तिक ने 17 साल में आईपीएल की 6 फ्रेंचाइजी के लिए खेला। उन्होंने 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के साथ उद्घाटन सत्र में पदार्पण किया। वह 2011 में पंजाब चले गए और मुंबई इंडियंस, गुजरात लायंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और आरसीबी के लिए खेलने लगे।

बता दें कि लीजेंड्स लीग सितंबर 2024 में अपना अगला सीज़न शुरू करने के लिए तैयार है।

# बुमराह की सलाह से बदलेगा शिवम मावी का करियर

- 25 साल की उम्र में 4 फ्रेक्चर, फिर भी रफ्तार से समझौते को
- तैयार नहीं भारतीय वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी

**नईदिल्ली, एजेंसी।** क्रिकेट में तेज गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ा खतरा विस्फोटक बल्लेबाज नहीं बल्कि इंजरी होती हैं। तेज गेंदबाजों को इंजरी का सबसे ज्यादा खतरा होता है। ऐसे में महज 25 साल की उम्र में अगर आपको चार-चार फ्रैक्चर हो जाएं तो मानसिक तौर पर खिलाड़ी बहुत टूट जाता है। हालांकि भारत के युवा तेज गेंदबाज शिवम मावी गिरकर फिर से उठने में यकीन रखते हैं और यही उनके जीवन का सिद्धांत है।

**शिवम कई बार हुए चोटिल**

शिवम मावी साल 2018 में अंडर19 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। अब तक टीम इंडिया के लिए केवल छह टी20 मैच खेले हैं। यह संख्या और ज्यादा हो सकती थी अगर मावी बार-बार चोटिल न होते हैं। मावी को अब तक चार स्ट्रेस फैक्टचर के अलावा घुटने में ग्रेट 2 इंजरी भी हुई है। वह बीते एक साल के क्रिकेट से दूर थे। वह घरेलू क्रिकेट के सीजन में भी नजर नहीं आएं। हालांकि उन्होंने उत्तर प्रदेश टी20 लीग के साथ लंबे समय बाद एक्शन में दिखे।

**आईपीएल में चोटिल हुए थे शिवम मावी**

मावी में अपनी वापसी पर कहा, 'मैंने बहुत समय बाद खेलना शुरू किया। आईपीएल के दौरान चोट लगने से मेरे रिहैब में देरी हुई। मेरी चोट उस जगह के करीब थी जहां मुझे स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ था। मैं पूरी तरह ठीक नहीं हुआ था और इसी कारण लखनऊ सुपर जायंट्स के कैंप में ट्रेनिंग करते हुए चोटिल हो गया। अब मैं फिट हूं और अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं रिदम वापस लाने कोशिश कर रहा हूं।'

**तीन फॉर्मेट के लिए खेलना चाहते हैं मावी**

शवम मावी ने अपने इंजरी से वापसी पर कहा, 'मैं हार नहीं मानूंगा। मैं अभी बस दौड़ना चाहता हूं और गेंदबाजी करना चाहता हूं। मुझे कुछ और नहीं आता। आप इसे जुनून और प्यार कह सकते हैं लेकिन मैं 25 साल की उम्र में हार कैसे मान सकता हूं। मेरे अंदर वह भूख है कि मैं तीनों फॉर्मेट में देश का प्रतिनिधित्व करूं। यही मेरी प्रेरणा है। गिरूंगा, उठूंगा और फिर से गिर के उठूंगा।' मावी और उनके साथी कमलेश नागरकोटी पिछले कुछ समय से एनसीए में साथ थे। उन्होंने कहा, 'हम शुभमन गिल, अर्श, अभिषेक के बारे में बात कर रहे थे कि वह टीम इंडिया के लिए खेल रहे हैं और हमें इसकी खुशी है। उन्हें देखकर हमें प्रेरणा मिलती है। हमने एक-दूसरे से वादा किया कि हम बेहतर करेंगे।'

# गुजरात टाइटन्स के स्टार तेज गेंदबाज ने गर्लफ्रेंड सारा पेथरिक से सगाई

**नईदिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन ने अपनी गर्लफ्रेंड सारा पेथरिक से सगाई की आधिकारिक घोषणा कर दी है। आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलने वाले जॉनसन ने सोशल मीडिया पर इस खुशखबरी को साझा किया जिसमें जोड़े के खास पलों को कैद करने वाली तस्वीरों की एक श्रृंखला पोस्ट की गई।

जॉनसन ने सगाई को सार्वजनिक करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया। उन्होंने सारा के साथ कुछ दिल को छू लेने वाली तस्वीरें साझा कीं। इस पोस्ट को 7,600 से अधिक लाइक मिले हैं जिसमें सारा गर्व से अपनी नई सगाई की अंगूठी दिखाती हुई दिखाई दे रही हैं। जोड़े ने पोस्ट को केवल मंगेतर शब्द के साथ कैप्शन दिया, जो एक-दूसरे के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रशंसकों और फैंस ने कमेंट्स में बधाई जोड़े को बधाई दी।

**स्पेंसर जॉनसन और सारा पेथरिक की रिलेशनशिप टाइमलाइन**

जॉनसन और सारा का रिश्ता एक लंबी और सहायक यात्रा रही है। वे कई सालों से साथ हैं, अक्सर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पुरस्कार समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते देखे जाते हैं। साराह द हंड्रेड 2024 के दौरान स्पेंसर का उत्साहवर्धन करने के लिए यूके में भी मौजूद थीं जो उनके क्रिकेट करियर के लिए उनके अटूट समर्थन को दर्शाता है। साराह को न केवल जॉनसन की पार्टनर के रूप में जाना जाता है बल्कि उनकी अपनी पेशेवर उपलब्धियां भी हैं।

# जहीर खान लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटॉर नियुक्त

**कोलकाता, एजेंसी।** भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान को बुधवार को कोलकाता में आरपीएसजी ग्रुप मुख्यालय में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) का मेंटॉर नियुक्त किया गया ।

एलएसजी फ्रेंचाइजी के मालिक आरपीएसजी ग्रुप ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, आपकी सारी अटकलें यहीं खत्म होती हैं! रिवर्स स्विंग के बादशाह, भारतीय दिग्गज ष्जहीरखान ने लखनऊ टीम के मेंटॉर के रूप में कार्यभार संभाला।

आईपीएल 2023 के बाद गौतम गंभीर के बाहर होने के बाद जहीर एलएसजी में खाली हुई मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे। गंभीर बाद में इस साल कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटॉर बने और उन्हें चेन्नई में अपना तीसरा आईपीएल खिताब दिलाया। जुलाई में, वह राहुल द्रविड़ के बाद भारत के पुरुष टीम के मुख्य कोच बने। 45 वर्षीय जहीर एलएसजी के कोचिंग सेट-अप में शामिल हुए, जिसमें जस्टिन लैंगर मुख्य कोच थे, साथ ही लांस क्लूजनर और एडम वोजेस सहायक कोच थे।

मोर्ने मोर्कल के भारतीय टीम में वही पद संभालने के बाद से टीम के पास अभी तक कोई गेंदबाजी कोच नहीं है। एक खिलाड़ी के रूप में, जहीर ने मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 मैच खेले और 7.58 की इकॉनमी रेट से 102 विकेट लिए।

विभिन्न रिपोर्टों में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत की 2011 वनडे विश्व कप विजेता टीम के सदस्य जहीर फ्रेंचाइजी के प्रतिभा विकास कार्यक्रम प्रमुख भी होंगे, हालांकि इस पर आधिकारिक बयान आना बाकी है।

# एच एम जी ट्रॉफी खुली विद्यालयीन बैडमिंटन स्पर्धा

## सौम्या, रिद्धिमा, जान्या, ओजस्वी, शोभित, सक्षम, मन और चंद्रकांत, प्रफुल्ल, देवेंद्र सेमीफाइनल में

**इंदौर।** इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन के तहत एली स्पोर्ट्स एंड मैनेजमेंट कंपनी द्वारा आयोजित दूसरी एच एम जी ट्रॉफी खुली विद्यालयीन बैडमिंटन स्पर्धा में सौम्या वर्मा, रिद्धिमा सूद और जान्या श्रीवास्तव उलटफेर कर एवं तिविशा जैन ने 13 वर्ष बालिका एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई। प्रग्यान सलूजा, पर्व जाटवा, काव्य शर्मा और प्रफुल्ल पाठक 15 वर्ष एवं शोभित गुप्ता, आरवराज सिंह बग्गा, तनिष्क राजपूत और सक्षम गुप्ता 13 वर्ष बालक एकल सेमीफाइनल में हैं। मन बड़जात्या और चंद्रकांत विश्वकर्मा, मोहम्मद अजमीर बेग और हिमांशु सरोदे, आरवराज सिंह बग्गा और आर्य बम एवं सक्षम गुप्ता और शोभित गुप्ता 13 वर्ष बालक युगल के सेमीफाइनल में आए।

देहली पब्लिक स्कूल निपानिया में हो रही स्पर्धा में अद्वैत पाटीदार, देवेंद्र यादव, नींव जैन और हर्षवर्धन सिंह राजपूत ने 9 वर्ष बालक एवं पहल चढोकर, मायरा सोनी, अर्ना शुक्ला और इस्मन सलुजा 9 वर्ष बालिका के सेमीफाइनल में हैं। आराध्या सागर, रिशान नांदेड़कर, अनवित गोयल और कैवल्य अग्रवाल ने 11 वर्ष बालक, गिरिजा जाधव, ओमिशा मेहता, ऐशानी गोयल और तिविशा जैन ने 11 वर्ष बालिका के सेमीफाइनल में जगह बनाई। सौम्या वर्मा ने 13 वर्ष बालिका एकल के क्वार्टर फाइनल में पहले क्रम की तनवी दुबे को 21-8, 21-14 से, देहली पब्लिक स्कूल निपानिया की रिद्धिमा सूद ने तीसरे क्रम की गिरिजा जाधव को 19-21, 21-15, 21-12 से और जान्या श्रीवास्तव ने आठवें क्रम की जया यादव को 21-13, 21-10 से हराकर उलटफेर किया। दूसरे क्रम की तिविशा जैन ने अनन्या शारदा को 21-13, 21-16 से हराया। 13 वर्ष बालक युगल के क्वार्टर फाइनल में दूसरे क्रम के मन बड़जात्या और चंद्रकांत विश्वकर्मा ने विहान बाफना और चिनमय गुप्ता को 21-16, 21-9 से एवं मोहम्मद अजमीर बेग और हिमांशु सरोदे ने सिद्धांत ध्रुर्वे और तनिष्क राजपूत को 21-16, 21-10 से पराजित किया।

पहले क्रम के सक्षम गुप्ता और शोभित गुप्ता ने मानविक जैन और कृश कुंदल को 21-8, 21-9 से एवं आरवराज सिंह बग्गा और आर्य बम ने अनवित गोयल और अर्निक जिंदल को 21-11, 21-8 से हराया। 15 वर्ष बालक एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रग्यान सलूजा ने अथर्व सप्रे को 21-10, 21-17 से, पर्व जाटवा ने अली असगर पथरिया को 21-9, 21-10 से, काव्य शर्मा ने पांचवें क्रम के जय सोनी को 21-17, 23-21 से और प्रफुल्ल पाठक ने प्रणव शर्मा को 21-12, 21-10 से पराजित किया। प्रणव ने आठवें क्रम के अगम भंडारी को 13-15, 15-14, 15-14 से हराया। 15 वर्ष बालिका एकल के दूसरे दौर में ओजस्वी भालवे ने दूसरे क्रम की तमन्ना सिंधा को 15-9, 14-15, 15-10 से हराकर उलटफेर किया। क्वार्टर फाइनल में पहले क्रम की मिश्का गुप्ता ने दिव्यांशी गांधी को 21-14, 21-12 से, श्रेया अग्रवाल ने अभ्युदया पहाडिया को 21-15, 21-9 से, रेनी अग्रवाल ने मनस्वी अरोरा के 21-14, 21-18 से और ओजस्वी भालवे ने सौम्या वर्मा को 21-13, 21-9 से हराया। अनन्या शारदा और सौम्या वर्मा, ऐशानी गोयल और रिद्धिमा सूद, जान्या श्रीवास्तव और जया यादव एवं दीर्घा अहिरवार और ओरा काबरा 13 वर्ष बालिका युगल के सेमीफाइनल में हैं। अभ्युदया पहाड़िया और आरोही शेवगांवकर, रेनी अग्रवाल और तनवी दुबे, मनस्वी अरोरा और मिश्का गुप्ता एवं वान्या चांदवानी और देविषी केलोत्रा 15 वर्ष बालिका युगल के सेमीफाइनल में आई। प्रग्यान सलुजा और जय सोनी, मेहर आनंद और पर्व जाटवा, प्रफुल्ल पाठक और काव्य शर्मा, भव्य चढोकर और प्रणव शर्मा, मानस जैन और पर्व राठी 15 वर्ष बालक युगल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे।

## संक्षिप्त समाचार

### वीरेंद्र देव दीक्षित आश्रम की लड़कियों की उम्र पता लगाएगी सीबीआई, हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को फरार स्वयंभू आध्यात्मिक उपदेशक वीरेंद्र देव दीक्षित के संचालित आश्रम में रहने वाली लड़कियों की उम्र की पुष्टि करने का निर्देश दिया है। आरोप है कि दिल्ली के रोहिणी इलाके स्थित आश्रम में कई महिलाओं और लड़कियों को कथित तौर पर बंधक बनाकर रखा गया है। न्यायमित्र ने संदेह जताया है कि रोहिणी स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय आश्रम में रहने वाले कुछ लोग नाबालिग हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि सीबीआई को आश्रम में रहने वालों की उम्र की पुष्टि करने का निर्देश दिया जाता है। सीबीआई इस मामले में एक नई स्थिति रिपोर्ट दाखिल करेगी। न्यायमित्र ने अपनी निरीक्षण रिपोर्ट में आश्रम के वित्तीय स्रोतों के बारे में भी संदेह जताया है। बता दें कि आश्रम का निरीक्षण हाईकोर्ट के पहले के आदेश के बाद किया गया था। अदालत दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। एक याचिका महिला की मां की ओर से दाखिल की गई है। इसमें कहा गया है कि याचिकाकर्ता की बेटी कुछ लोगों के प्रभाव में आश्रम में रह रही है। दूसरी याचिका एक बुजुर्ग दंपति की ओर से दायर की गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि उनकी उच्च शिक्षित बेटी को गुमराह करके आश्रम में रहने के लिए मजबूर किया गया है। बता दें कि अदालत ने वीरेंद्र देव दीक्षित के खिलाफ दुष्कर्म के गंभीर आरोपों के मद्देनजर सीबीआई से स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। सीबीआई के वकील ने कहा था कि दीक्षित के खिलाफ कथित दुष्कर्म के आरोपों को लेकर दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। आरोपी को पकड़ने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई दिसंबर के लिए तय की है।

### अदालती कार्यवाही की 'लाइव स्ट्रीमिंग' की मांग वाली याचिका खारिज

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली हाई कोर्ट ने अदालती कार्यवाही की 'लाइव स्ट्रीमिंग'(सीधा प्रसारण) की मांग करने वाली याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया कि इस पहल के चरणबद्ध कार्यान्वयन और संबंधित समितियों के भीतर चल रहे विचार-विमर्श को देखते हुए, मामले में कोई भी न्यायिक हस्तक्षेप समय से पहले और अनुचित होगा। याचिकाकर्ता ने जोर देकर कहा कि पिछले साल शुरू की गई लाइव स्ट्रीमिंग सुविधा में अदालती कार्यवाही की रिकॉर्डिंग भी शामिल होनी चाहिए, क्योंकि इससे अधिवक्ताओं को अदालतों को गुमराह करने से रोका जा सकेगा और न्यायिक पारदर्शिता बढ़ेगी। उच्च न्यायालय प्रशासन ने जवाब में कहा कि सभी अदालतों में लाइव स्ट्रीमिंग का व्यापक कार्यान्वयन फिलहाल साजो-सामान संबंधी बाधाओं के कारण अव्यवहारिक है और वर्तमान में, यह सुविधा मामला दर मामला आधार पर और केवल दो अदालतों में उपलब्ध है। दिल्ली हाई कोर्ट लाइव स्ट्रीमिंग की पहल का विस्तार करने से जुड़ी लॉजिस्टिक (साजो-सामान) और ढांचागत चुनौतियों का समाधान करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है और पर्याप्त तैयारी के बिना समय से पहले सेवाओं का विस्तार करने से न्यायिक कार्यवाही की गुणवत्ता और सुरक्षा से समझौता हो सकता है।

# जनता परेशान, मंत्री बयानबाजी में बिजी; एलजी ने किस बात पर सौरभ भारद्वाज को सुनाई खरी-खोटी

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
उपराज्यपाल सचिवालय ने बयान जारी कर सौरभ भारद्वाज की कड़ी आलोचना की है। बयान में कहा गया है कि मंत्री, जो अपने विभागों की देखरेख में पूरी तरह से असफल रहे हैं, अब हर दिन एलजी पर आधारहीन आरोप लगाकर मंत्री पद बचाने की कोशिश कर रहे हैं। एलजी सचिवालय के अनुसार, पिछले एक दशक में दिल्ली के हालात लगातार बिगड़े हैं। दिल्ली अपने निवासियों के लिए नरक बनती जा रही है। नालों की सफाई नहीं होने से बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। नाले गंदगी से भरे हैं। बारिश के बाद से सड़कों पर कूड़ा भरा हुआ है। लोगों को दूषित पानी मिल रहा है। मलेरिया और डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं। लेकिन मंत्री, दिल्ली के लोगों की समस्याओं को हल करने के बजाय,

मीडिया में अनर्गल बयानबाजी करने में लगे हुए हैं।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों में रिक्त पड़े पदों पर एलजी द्वारा जानबूझकर भर्तियां नहीं की जा रही हैं। जब हम भर्तियों का मामला उठाते हैं तो राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण (एनसीसीएसए) की बैठक का बहाना बना दिया जाता है। वहीं, पीडब्ल्यूडी विभागों में बगैर बैठक के ही ग्रुप ए के सात अधिकारियों की तैनाती कर दी जाती है। भारद्वाज ने कहा कि बीते दिनों रोहिणी के आशा किरण होम में 14 लोगों की मौत हुई। जांच में पता चला कि वहां डॉक्टरों, विशेषज्ञ और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी की वजह से ऐसा हुआ। इसके बाद भी अस्पतालों में इनकी भर्ती नहीं हो पा रही है।

कई बार शिकायत कर चुके मंत्री ने कहा कि एक अस्पताल को संभालने के लिए एक निदेशक या एक चिकित्सा अधीक्षक होना चाहिए, लेकिन हालत यह है कि एक व्यक्ति को कई-कई अस्पतालों की जिम्मेदारी दी हुई है। जब से मैंने स्वास्थ्य मंत्री का पदभार संभाला है, तब से कई बार एलजी अवगत करा चुका हूं कि दिल्ली के अस्पतालों में लगभग 30 फीसदी डॉक्टरों और विशेषज्ञों के पद खाली हैं। एलजी कार्यालय से जवाब दिया जाता है कि एनसीसीएसए की बैठक नहीं हो पाई, इसलिए हम अस्पतालों में डॉक्टर और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती नहीं कर पाए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, दूसरे विभागों में एनसीसीएसए की बैठक के बगैर ही नियुक्तियां हो रही हैं, जबकि अस्पतालों में भर्ती नहीं करने के लिए मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति के चलते बैठक नहीं होने का हवाला दे दिया जाता है। न्यायमित्र ने एक याचिका उच्च न्यायालय में दायर करके कहा है कि उपराज्यपाल व राज्य सरकार के विवाद के चलते डॉक्टर, विशेषज्ञों व अन्य कर्मियों के 38 हजार पद खाली हैं। इन्हें भरने के लिए प्रयास नहीं किया जा रहा है।

## दिल्ली में हादसा, खुले नाले में गिरने से रिक्शा चालक की मौत

**नईदिल्ली, एजेंसी।** पश्चिम विहार ईस्ट इलाके में सोमवार सुबह खुले नाले में गिरने से रिक्शा चालक की मौत हो गई। यह पूरा हादसा सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर सिविक एजेंसी को जिम्मेदार की पहचान के लिए नोटिस दिया है। सबसे चौकाने वाला पक्ष यह कि स्थानीय लोग नाले को ढ़कने के लिए कई माह से गुहार लगा रहे थे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इस दौरान एक युवक की नाले में गिरने से जान चली गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान 35 वर्षीय सोनू कुमार के तौर पर हुई है। सोनू अपनी मां किरन देवी के साथ पीरागढ़ी कैंप में रहता था। परिजनों ने बताया कि सोनू कैंसर से ग्रस्त था और उसे मिर्गी का दौरा भी पड़ता था। वह डीडीए फ्लैट परिसर के गेट के बगल में नाले के किनारे रिक्शा खड़ा कर सवारी का इंतजार कर रहा था। फ्लैट परिसर के पास करीब चार फीट गहरा नाला है। फुटेज में दिखाई दे रहा कि सोनू गेट पर खड़े युवक से बात कर रहा है। जब तक युवक अंदर आता है तब तक सोनू नाले में गिर चुका होता है। काफी देर तक किसी को हादसे के बारे में पता नहीं चला। जब एक राहगीर रिक्शे के पास गया तो उसने नाले में सोनू को पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी। स्थानीय निवासी मोहित सखूजा ने बताया कि नाले खुले होने से हमेशा हादसे का अंदेशा बना रहता है, लेकिन कोई भी अधिकारी इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि 700 मीटर लंबे नाले को ढ़कने के लिए चार माह से आरडब्ल्यूए शिकायतें दे रहे थे, कोई सुनवाई नहीं हुई। विभागों की लापरवाही लापरवाही से एक रिक्शा चालक की जान चली गई।

## *दिल्ली-एनसीआर को सर्दियों में प्रदूषण से कैसे बचाएंगे? सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब*

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली-एनसीएर में हर साल सर्दियों में प्रदूषण से बुरा हाल हो जाता है। लोगों को सांस से संबंधित बीमारियों का सामना करना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सरकार से इससे पूर्व की तैयारियों के बारे में पूछ लिया है। देश की सर्वोच्च अदालत ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण नियंत्रण के लिए गठित वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को यह बताने के लिए कहा कि सर्दियों में प्रदूषण में बेतहाशा बढ़ोतरी से कैसे निपटेगा। वह भी ऐसे हालात में जब एनसीआर के राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में पर्याप्त संख्या में कर्मचार नहीं हैं।

शीर्ष अदालत ने दिल्ली, पंजाब, यूपी, हरियाणा और राजस्थान के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की कमी के चलते उन्हें अप्रभावी करार दिया और कहा कि अप्रैल, 2025 तक सभी खाली पदों को भरा जाए। जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि सर्दियां आने वाली हैं। पराली जलाने व अन्य कारणों से प्रदूषण में बढ़ोतरी होगी। हर साल दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के लिए पड़ोसी राज्यों को ?धान की पराली जलाने को प्रमुख कारण बताया जाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब एनसीआर से संबंधित राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में पर्याप्त संख्या में कर्मचारी नहीं हैं तो समस्या से कैसे निपटा जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसलिए हम सीएक्यूएम के अध्यक्ष से मामले की अगली सुनवाई दो सितंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश होने का आदेश देते हैं। उन्हें अपनी योजना के बारे में बताना होगा। पीठ ने आश्चर्य व्यक्त किया कि एनसीआर वाले राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में रिक्तियों के कारण प्रतिनिधित्व की कमी से आयोग द्वारा गठित की जाने वाली सुरक्षा और प्रवर्तन पर उप-समिति कैसे काम करेगी।

मामले में न्याय मित्र अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने राज्यों के प्रदूषण बोर्डों में रिक्त पदों के बारे में पीठ को जानकारी दी। सिंह ने कहा कि अभी सितंबर में प्रवेश करने वाले हैं और जल्द ही पराली जलाने और प्रदूषण की समस्याएं सामने आएंगी।

# मेवात की 3 विधानसभा सीटों पर भाजपा के लिए कमल खिलाना चुनौती; समझें यहां का राजनीतिक इतिहास

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
हरियाणा के नूंह जिले में मेवात इलाके की तीन विधानसभा सीटों पर भाजपा के लिए कमल खिलाना बड़ी चुनौती बना हुआ है। यहां भाजपा को जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है, जबकि अन्य क्षेत्रीय पार्टियां भी अपना खाता खोल चुकी हैं। मेवात के दिग्गज नेता जाकिर हुसैन भी हार के इस सिलसिले को नहीं रोक पाए हैं। बहरहाल, इस साल 1 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में भी भाजपा को कड़ी मशक्कत करनी होगी।

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनावों में नूंह सीट से भाजपा ने जाकिर हुसैन को मैदान में उतारा था। जाकिर हुसैन मेवात के एक प्रमुख नेता माने जाते हैं, लेकिन उनकी मजबूत छवि भी भाजपा को इस सीट पर जीत नहीं दिला सकी। कांग्रेस के उम्मीदवार आफताब अहमद ने इस चुनाव में जाकिर को हरा दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि मेवात में भाजपा की पकड़ कमजोर है और यहां के मतदाताओं का समर्थन प्राप्त करना उसके लिए कठिन है।

यहां मतदान प्रतिशत भी भाजपा के पक्ष में नहीं बढ़ पाया है। मेवात की तीनों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवारों को भाजपा से अधिक वोट मिले हैं, चाहे वो विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव। इस क्षेत्र में भाजपा का कमजोर नेटवर्क और प्रभावी नेतृत्व का अभाव इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। मेवात की तीन सीटों पर भाजपा का कमजोर प्रदर्शन उसकी राजनीतिक चुनौतियों को उजागर करता है। मेवात क्षेत्र में कांग्रेस, निर्दलीय, इनेलो का दबदबा रहा है।

नूंह, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना सीट पर 9 बार कांग्रेस, 7 बार निर्दलीय, 6 बार इनेलो और 7 बार अन्य पार्टियों की जीत हुई है। भाजपा अब तक हुए 13 चुनावों में एक बार भी जीत दर्ज नही कर सकी है। यह स्थिति वर्ष 1967 से लेकर वर्ष 2019 तक बनी हुई है। राजनीति के जनकारों का कहना है कि भाजपा के लिए इस इलाके में न सिर्फ सीटें जीतना बल्कि अपना खाता खोलना भी एक बड़ी चुनौती है।

इतिहासकार सिद्दीक अहमद के अनुसार, मेवात का मतदाता किसी एक राजनीतिक दल से बंधा हुआ नहीं है। यहां के मतदाता समय-समय पर विभिन्न दलों को समर्थन देते रहे हैं। इस क्षेत्र में कांग्रेस को छोड़कर अन्य दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी सफलता पाई है। यह दर्शाता है कि मेवात के मतदाता चुनावी राजनीति में अपने विवेक का इस्तेमाल करते हैं और किसी एक दल को निरंतर समर्थन नहीं देते। राजनीति के जनकारों का कहना है कि भाजपा के लिए मेवात क्षेत्र में अपनी जड़ें मजबूत करना और यहां के मतदाताओं का विश्वास जीतना अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। आगामी चुनावों में यदि भाजपा इस क्षेत्र में अपनी स्थिति सुधारना चाहती है, तो उसे अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने, स्थानीय नेतृत्व को उभारने, और जनसमर्थन बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम उठाने होंगे।

# रूस ने दूसरे दिन भी यूक्रेन पर लगाई मिसाइल और ड्रोन हमलों की झड़ी

**कीव, एजेंसी।**
रूस ने मंगलवार को दूसरे दिन भी यूक्रेन पर मिसाइलों और ड्रोन हमलों की झड़ी लगा दी। यूक्रेन ने कहा कि उसने मंगलवार को रूस के 10 मिसाइलों में से पांच को और 81 ड्रोन में से 60 को मार गिराया। हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सहयोगी पश्चिमी देशों से लंबी-दूरी तक मार करने में सक्षम हथियार देने की मांग की है और उनके रूस के अंदर हमले करने अनुमति भी मांगी।

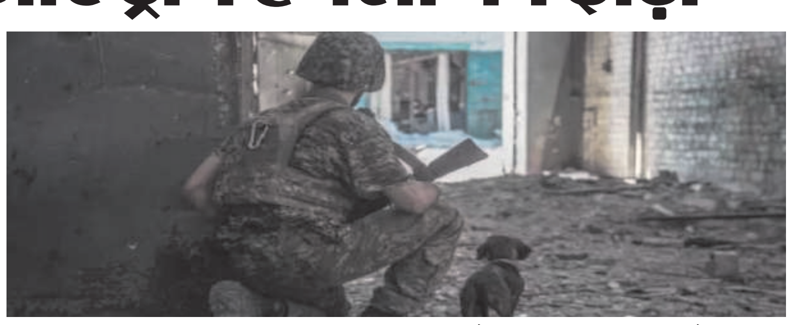

सोमवार को रूस ने 200 से अधिक मिसाइलों और ड्रोन से यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया था। इसमें आठ लोगों की मौत हुई थी। मंगलवार को भी क्रिव्यी रिहस्ट्रक में आवासीय इमारत पर हमले में पांच लोगों की जान गई है। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा कि वह मंगलवार को 10 और ड्रोन को ट्रैक नहीं कर सकी, जो उसके क्षेत्र में कहीं गिरे हैं। इनमें से एक बेलारूस के क्षेत्र में पहुंच गया।

वहीं, सोमवार को बिजली संयंत्रों पर हमले के बाद बिजली व्यवस्था पूरी तरह से बहाल नहीं हो सकी है। इस बीच, रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन पर बड़े हमले की बात कही, लेकिन नागरिकों को निशाना बनाने से इन्कार किया। वहीं, रूस के कई रक्षा ब्लागरों ने रूस के हमले को कु?र्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी घुसपैठ के जवाब में की गई कार्रवाई बताया। यूक्रेन के सेना प्रमुख जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्क्यी ने मंगलवार को कहा कि हमारी सेना ने कु?र्स्क में 1,300 वर्ग किमी पर पर कब्जा कर लिया है और 594 रूसी बंदी कब्जे में हैं। वहीं, रूस के बेलगोरोद रीजन के प्रमुख ने कहा है कि यूक्रेन की सीमा से सटे क्षेत्रों में स्थिति कठिन लेकिन नियंत्रण में हैं। रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने दावा किया कि कु?र्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना की घुसपैठ में अमेरिका संलिप्तता है। राफेल ग्रोसीसंयुक्त राष्ट्र परमाणु एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रोसी ने मंगलवार को कु?र्स्क के परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा की जांच की। इसके बाद उन्होंने कहा कि परमाणु संयंत्रों को खतरा है और स्थिति गंभीर है। रूस के नियंत्रण वाले यूक्रेन के जपोरीजिया परमाणु संयंत्र पर हमले का आरोप दोनों पक्ष एक दूसरे पर लगा चुके हैं। बैंकाक में चीन के यूरेशिया मामलों के दूत ली हुइ ने मंगलवार को यूक्रेन में उसकी शांति योजना में और वैश्वि दक्षिण के तीन देशों इंडोनेशिया, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका से सहयोग मांगा।

## दुश्मन से बातचीत करने को भी तैयार है ईरान, सुप्रीम लीडर खामेनेई ने अमेरिका पर बदले सुर

**दुबई, एजेंसी।** हमास चीफ इस्माइल हानियेह के कत्ल के बाद इजरायल से तनाव के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने दुश्मन देश अमेरिका पर अपने सुर बदल दिए हैं। उन्होंने अपने देश के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ नये सिरे से बातचीत का रास्ता खोलने का संकेत दिए। उन्होंने देश की सरकार से मंगलवार को कहा कि 'दुश्मन' के साथ बातचीत करने में 'कोई बाधा' नहीं है। खामेनेई की टिप्पणियों ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की सरकार के तहत होने वाली किसी भी वार्ता के लिए दायरा निर्धारित कर दिया है, साथ ही अपनी चेतावनी को दोहराया कि अमेरिका पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

हालांकि, खामेनेई की टिप्पणियां ईरान के विभिन्न देशों के साथ 2015 के परमाणु समझौते के समय की गई टिप्पणियों से मिलती-जुलती हैं। उक्त समझौते में आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के बदले ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम की गति धीमी करने पर सहमति जताई थी। खामेनेई की टिप्पणी के बावजूद यह स्पष्ट नहीं है कि पेजेश्कियान के पास अमेरिका से बातचीत की कितनी गुंजाइश होगी, खासकर तब जब इजराइल-हमास युद्ध को लेकर दुनिया में तनाव बना हुआ है और अमेरिका खुलकर इजरायल को अपना समर्थन दे रहा है। इसके अतिरिक्त अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी चल रही है। खामेनेई ने सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में कहा, ''हमें अपनी उम्मीदें दुश्मन से नहीं करनी चाहिए। अपनी योजनाओं के लिए हमें दुश्मनों की मंजूरी का इंतजार नहीं करना चाहिए।'' उन्होंने आगे यह भी कहा, ''कुछ जगह पर उसी दुश्मन से वार्ता में संलग्न होना विरोधाभासी नहीं है, इसमें कोई बाधा नहीं है।''

# ब्लूचिस्तान में आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा

### बलूचिस्तान केवल 227 दिनों तक ही स्वतंत्र राष्ट्र रह सका

**इस्लामाबाद , एजेंसी।** पाकिस्तान के अशांत प्रांत ब्लूचिस्तान में आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। हाल ही में बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी ने 130 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है। ब्लूचिस्तान में अक्सर पंजाबियों को क्यों निशाना बनाया जाता है, आए दिन ब्लूचिस्तान में इतने हमले क्यों होते हैं। इसका जवाब पाकिस्तान के इतिहास से जुड़ा है।भारत को ब्रिटिश शासन से आजादी मिलने से चार दिन पहले बलूचिस्तान को एक स्वतंत्र देश घोषित किया गया था और 1947 में पाकिस्तान को एक अलग राष्ट्र के रूप में बनाया गया था। इससे भी अधिक विडंबना यह थी कि बलूचिस्तान के शासक खान के मामले की पैरवी करने वाले वकील मुहम्मद अली जिन्ना थे। मीर अहमद यार खान, जिन्हें अंग्रेजों से पहले कलात के खान के नाम से भी जाना जाता था। बता दें कि बलूचिस्तान केवल 227 दिनों तक ही स्वतंत्र राष्ट्र रह सका।

बलूचिस्तान में अब उथल-पुथल मची हुई है। सोमवार को इसने वैश्विक सुर्खियां बटोरीं, जब अलग-अलग आतंकी हमलों में कई लोग मारे गए, क्योंकि बलूच आतंकवादियों ने एक जातीय विद्रोह की साजिश में पाकिस्तानी पंजाबियों को निशाना बनाया। सोमवार देर रात, पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा नागरिकों की हत्याओं का बदला लेने की कसम खाने के बाद सुरक्षा बलों ने कम से कम 21 बलूच आतंकवादियों को मार डाला। लगभग एक महीने तक बलूचिस्तान में राजनीतिक अशांति की नई लहर के बाद आतंकवादी हमले हुए। कम से कम 27 जुलाई से, बलूचिस्तान बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) और पाकिस्तान सरकार के नेतृत्व वाले प्रदर्शनकारियों के बीच जारी गतिरोध को लेकर तनावपूर्ण है। सरकार की भारी कार्रवाई के बावजूद विरोध मार्च, रैलियां, प्रदर्शन और धरने बेरोकटोक जारी हैं। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, जो इसके भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 44त्न हिस्सा है। यह प्राकृतिक संसाधनों - तेल, सोना, तांबा और अन्य खदानों से समृद्ध है, जिससे पता चलता है कि चीन ने इस प्रांत में विशेष रुचि क्यों दिखाई है। यह पाकिस्तान के राजस्व के प्राथमिक स्रोतों में से एक है, लेकिन ये अभी तक का सबसे कम विकसित क्षेत्र बना हुआ है। लंबे समय से ब्लूच के लोग पाकिस्तान से अलग होने की मांग कर रहे हैं। बलूचिस्तानी एक अलग देश की मांग कर रहे हैं। इस प्रांत के लोगों का कहना है कि पाकिस्तान ने हमेशा उससे भेदभाव किया।

बलूच लोगों की एक अलग संस्कृति है जो उन्हें पाकिस्तान के बाकी हिस्सों से अलग करती है और उन्हें ईरान के सिस्तान प्रांत में सीमा पार रहने वाले लोगों के करीब करती है। भारत पर ब्रिटिश शासन के दौरान यह क्षेत्र ईरान और आधुनिक पाकिस्तान के बीच विभाजित हो गया।

बलूचिस्तान की आधुनिक कहानी 1876 में कलात रियासत - प्रांत का हिस्सा - और ब्रिटिश भारत सरकार के बीच एक संधि से शुरू होती है। इसने कलात को आंतरिक स्वायत्तता प्रदान की उसी तरह जिस पर अंग्रेजों ने भूटान और सिक्किम के साथ हस्ताक्षर किए थे। जब 1947 में भारतीय उपमहाद्वीप में आजादी मिली, तो बलूचिस्तान में चार रियासतें शामिल थीं।

## अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय का दावा, अपराध दर में 30 प्रतिशत की गिरावट हुई

**काबुल, एजेंसी।** अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय ने मंगलवार को दावा किया कि देश भर में अपराध दर में 30 फीसदी की गिरावट आई है। राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। काबुल में मंगलवार को वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए उप गृह मंत्री मोहम्मद नबी ओमारी ने दावा किया कि देश में सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हुआ है। बढ़ी हुई सुरक्षा व्यवस्था के कारण नागरिक सुरक्षित रह पा रहे हैं और प्रांतों के बीच सुरक्षित यात्रा कर पा रहे हैं। ओमारी ने कहा कि मंत्रालय की गतिविधियां अब तालिबान नेता मुल्ला हिबतुल्लाह अखुंदजादा के आदेशों और अदालती फैसलों के अनुसार व्यवस्थित रूप से देश को संचालित कर रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा बलों द्वारा किए गए अथक प्रयासों का प्रमाण है। सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए मंत्रालय ने राष्ट्रीय पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों को पेशेवर बनाने और सुसज्जित करने के लिए कदम उठाए हैं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पुलिस अब किसी भी खतरे का मुकाबला करने में पूरी तरह सक्षम है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।